केन्द्रीय विद्यालय संगठन

KENDRIYA VIDYALAYA SANGATHAN

हैदराबाद संभाग / HYDERABAD REGION

बहुविकल्पीय प्रश्न - प्रश्न बैंक 2021-22

QUESTION BANK OF MULTIPLE-CHOICE QUESTIONS 2021-22

कक्षा - दसवीं

विषय- हिंदी (कोर्स "अ")

मुख्य संरक्षक/ **CHIEF PATRON**

श्री. के. शशीन्द्रन

SRI K. SASEENDRAN,

उपायुक्त/ **DEPUTY COMMISSIONER**

संरक्षक/ **PATRON**

डॉ. (श्रीमती) वी. गौरी

DR (SMT) V. GOWRI,

सहायक आयुक्त/ **ASSISTANT COMMISSIONER**

समन्वयक/ **COORDINATORS**

1. **श्री.पी. श्रीनिवास राजू - प्राचार्य, के.वि. नं. 1 उप्पल**
2. **श्री.सी.एच. बाबू - प्राचार्य, के.वि.नं. 2 एस.वी.एन**

विषय शिक्षक द्वारा तैयार एवं निरीक्षण

PREPARED & VETTED BY SUBJECT TEACHER

1. श्रीमती सोनाली मैत्रा
2. डॉ. एस.के. मालवीय
3. श्रीमती कल्याणी गीता
4. श्री अजय मिश्रा
5. श्रीमती बी. अन्नपूर्णा
6. श्री के. श्रीधर बाबू
7. श्रीमती टी. शोभा
8. श्रीमती टी. मालती
9. श्रीमती प्रभा सिंह
10. श्रीमती के.नागमणि

हिंदी अध्ययन सामग्री (कोर्स "अ")

कक्षा – 10वीं

प्रथम सत्र **-2021**

परीक्षा भार विभाजन सत्र **1**

क्रमांक	विषयवस्तु	उप भार	कुल भार
1.	अ. एक अपठित गद्यांश (विकल्प सहित)	**5**	
	ब. एक अपठित काव्यांश (विकल्प सहित)	**5**	
			10
2.	व्याकरण		
	1. रचना के आधार पर वाक्य भेद	**4**	
	2. वाच्य	**4**	
	3. पद परिचय	**4**	
	4. रस	**4**	
			16
3.	पाठ्यपुस्तक		
	अ – गद्य खंड	**7**	
	1. निर्धारित पाठों में से गद्यांश के आधार पर विषय-वस्तु का ज्ञान बोध, अभिव्यक्ति आदि पर पांच बहुविकल्पी प्रश्न पूछे जाएँगे	**5**	
	2. निर्धारित गद्य पाठों के आधार पर विद्यार्थियों की उच्च चिन्तन क्षमताओं एवं अभिव्यक्ति का आकलन करने हेतु दो बहुविकल्पी प्रश्न पूछे जाएँगे	**2**	
	ब – काव्य खंड	**7**	
	1. निर्धारित कविताओं में से काव्यांश के आधार पर पांच बहुविकल्पी प्रश्न पूछे जाएँगे	**5**	
	2. निर्धारित कविताओं के आधार पर विद्यार्थियों का काव्यबोध परखने हेतु दो बहुविकल्पी प्रश्न पूछे जाएँगे	**2**	

			14
		कुल भार **– 40**	

सत्र **1** में निम्नलिखित पाठ सम्मिलित किए गए हैं –

गद्य खंड

1. स्वयं प्रकाश – नेताजी का चश्मा
2. रामवृक्ष बेनीपुरी – बालगोबिन भगत

काव्य खंड

1. सूरदास – पद
2. तुलसीदास – राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद

अपठित बोध

निम्नलिखित गद्यांशों को ध्यानपूर्वक पढ़कर इनसे संबंधित पूछे गए बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सही विकल्प का चुनाव करें |

गद्यांश 1

महात्मा गाँधी का सपना था कि हम सभी भारतवासी स्वच्छता के बारे में सीखें और इसे व्यवहार में लायें | वे पर्यावरण को स्वच्छ रखने पर काफ़ी बल देते थे, लेकिन हम भारतवासियों ने केवल बापू को याद रखा, उनके सिद्धांतों को नहीं | स्वच्छता हम सभी की नैतिक, व्यावहारिक एवं सामाजिक ज़िम्मेदारी भी है और हमारी आवश्यकता भी | स्वच्छता के बिना समृद्धि नहीं आ सकती | दुःख की बात है कि हम स्वच्छता के मामले में भी दूसरे देशों से बहुत पीछे हैं | आर्थिक बदहाली का रोना रोते रहना हमारा स्वभाव बन गया है, लेकिन क्या सफ़ाई जैसी साधारण-सी आदत को अपनाने के लिए भी हमें धन चाहिए ? हमारी सफ़ाई की परिभाषा केवल अपने-अपने घरों तक ही सीमित होकर रह गई है | "स्वच्छ भारत अभियान" हमारे लिए सफ़ाई को अपनाने एवं इसके प्रति संवेदनहीनता त्यागने का अनुकूल अवसर बनकर आया है | हमारे द्वारा स्वच्छ भारत का निर्माण बापू को हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी |

प्रश्न

1. गाँधीजी का सपना था कि भारतवासी -
   (क) स्वच्छता के बारे में जाने
   (ख) स्वच्छता के बारे में उपदेश दें
   (ग) स्वच्छता का प्रचार करें और विज्ञापन दें
   (घ) स्वच्छता का महत्त्व समझकर इसे व्यवहार में लाएँ

2. स्वच्छता किसकी ज़िम्मेदारी है ?
   (क) केवल कुछ नागरिकों की
   (ख) सभी नागरिकों की
   (ग) केवल सफ़ाई कर्मचारियों की
   (घ) केवल सरकार की

3. स्वच्छता को किसका प्रतीक माना गया है ?
   (क) एकता का
   (ख) स्वास्थ्य का
   (ग) नैतिकता का
   (घ) समृद्धि का

4. साफ़-सफ़ाई के प्रति हमारा दृष्टिकोण है -
   (क) व्यापक एवं संवेदनहीन

(ख) सीमित एवं संवेदनहीन

(ग) अनैतिक एवं सीमित

(घ) साधारण एवं व्यावहारिक

5. "संवेदनहीन" शब्द का विलोम शब्द है -

(क) असंवेदनहीन

(ख) संवेदनहीनता

(ग) असंवेदनशील

(घ) संवेदनशील

गद्यांश- 2

"साँच बराबर तप नहीं" सूक्ति में सत्य की महत्ता को स्वीकारा गया है | सच के मार्ग पर चलना अपने आप में तप है | तप का अर्थ है- "तपना" | सच का मार्ग सदैव कँटीला होता है, कठिन होता है | तप वही कर सकता है जिसका हृदय साफ़, निष्पाप एवं एकाग्रचित्त हो | "सत्य" मानव हृदय के गौरव का प्रतीक है | सच बोलने वाले के मुख पर एक अलग तरह का तेज रहता है, ऐसा व्यक्ति निडर होता है व लोगों के दिल में जगह बनाता है | अप्रिय सत्य मनुष्य को कभी नहीं बोलना चाहिए | सत्य-असत्य की परिभाषा अपने आप में कुछ नहीं, परन्तु दूसरों की भलाई, कल्याण के लिए बोला गया बड़े-से-बड़ा झूठ भी सत्य है और वास्तविक सत्य, जो दूसरों को कठिनाई में डाल दे, बोला जाए, तो वह झूठ की परिधि में आता है | तप और सत्य मिलकर मानव जीवन को विकास की राह पर अग्रसर करते हैं | सत्य की प्राप्ति ही कठोरतम तप है | यह संसार का वह सर्वोत्तम धर्म है, जिसके बिना जीवन सारहीन हो जाता है | सत्य अटल है | लाख झूठ भी उसके समक्ष टिक नहीं सकते | झूठ बुलबुले के समान है, जिसका अस्तित्व क्षणिक है | सच स्थायी है, चिरंतन है | एक झूठ को छुपाने के लिए सौ झूठ बोलने पड़ते हैं और अंत में सौ झूठों का आवरण भेद कर सत्य बाहर निकल ही आता है | सत्य से व्यक्ति जितना मुँह मोड़ता है, वह उतना पल-पल में सामने आता है | कठिन अवश्य है तप का मार्ग, सत्य का मार्ग परन्तु कल्याणकारी है |

प्रश्न

1. "सच" का मार्ग कैसा होता है ?

(क) कँटीला और कमज़ोर

(ख) काँटों से भरा एवं सरल

(ग) कँटीला और आसान

(घ) काँटों से भरा एवं कठिन

2. तप कैसा व्यक्ति कर सकता है **?**

(क) जिसका दिमाग एकाग्रचित्त, कुशाग्र एवं निष्पाप हो

(ख) जिसका हृदय निष्पाप, एकाग्रचित्त एवं स्वच्छ हो

(ग) जिसका हृदय संयमी, सत्यवादी एवं निष्पाप हो

(घ) जिसका दिमाग तीव्र, कुशाग्र एवं एकाग्रचित्त हो

3. सच बोलने वाले की क्या पहचान है **?**

(क) निडर, साहसी एवं परोपकारी

(ख) निडर, परोपकारी एवं पक्षपात करने वाला

(ग) पक्षपात न करने वाला, साहसी एवं कुशल वक्ता

(घ) निडर, सबका प्रिय एवं मुख पर विशेष तेज

4. मानव जीवन के विकास की राह को कौन आगे बढ़ाते हैं **?**

(क) स्वास्थ्य और तप

(ख) सत्य और तप

(ग) तप और संयम

(घ) संयम और सत्य

5. सच और झूठ में क्या अंतर है **?**

(क) झूठ एक बार बोलना पड़ता है और सच सौ बार

(ख) सच बुलबुले की तरह क्षणिक है और झूठ चिरंतन व स्थायी है

(ग) झूठ बुलबुले की तरह क्षणिक है और सच चिरंतन व स्थायी है

(घ) सच बोलने में खतरा अधिक होने पर झूठ बोलना सत्य ही कहलाता है

गद्यांश **3**

बाल मजदूरी आज भी हमारे समाज की वास्तविकता है | हाल ही में वर्ष 2014 में “बचपन बचाओ आंदोलन” के संस्थापक और बाल मजदूरी उन्मूलन की दिशा में उल्लेखनीय कार्य करने वाले कैलाश सत्यार्थी को नोबेल शांति पुरस्कार मिलने के बाद बाल मजदूरी का मुद्दा फिर से चर्चा में आ गया है, लेकिन चर्चा में आ जाने भर से इस समस्या का समाधान नहीं हो सकता | यह एक कड़वा सच है कि कानूनों और अदालती निर्देशों का पालन कराने में पुलिस-प्रशासन को खुद उन बच्चों के परिवारों और समाज की ओर से सहयोग नहीं मिलता है | कई बार अनेक सामाजिक संगठनों ने बच्चों को खतरनाक धंधों से बाहर भी निकाला तो वे बच्चे फिर वहीं पहुँच गए, क्योंकि उनके पास और कोई विकल्प नहीं था | बाल मजदूरों को काम से हटाने पर न सिर्फ उनके बल्कि उनके परिवार के भरण-पोषण की समस्या भी आ खड़ी होती है | इसलिए बच्चों को काम से निकालकर शिक्षा दिलाने की योजना बहुत कारगर सिद्ध नहीं हो पा रही है | अत: सरकारी योजनाओं का लाभ समाज के प्रत्येक गरीब व्यक्ति तक पहुँचना जरूरी है, ताकि कोई परिवार बच्चों के श्रम पर निर्भर न रहे |

प्रश्न

1. कैलाश सत्यार्थी का संबंध किससे नहीं है ?
   (क) वर्ष 2014 के नोबेल शांति पुरस्कार से
   (ख) बाल मजदूरी उन्मूलन के कार्यक्रमों से
   (ग) बचपन बचाओ आंदोलन से
   (घ) सरकारी कानूनों का पालन करवाने से

2. पुलिस बाल मजदूरों की सहायता नहीं कर पाती, क्योंकि -
   (क) उसे सामाजिक संगठनों का सहयोग नहीं मिलता
   (ख) वह कानूनों का पालन करवाने में असक्षम होती है
   (ग) उसे बाल मजदूरों के परिवारों और समाज से सहयोग नहीं मिलता
   (घ) यह कार्य उसके अधिकार क्षेत्र से बाहर होता है

3. बाल मजदूरी की समस्या क्यों उत्पन्न होती है ?
   (क) गरीबी के कारण
   (ख) बच्चों के लिए शिक्षा की व्यवस्था न होने के कारण
   (ग) सरकारी प्रशासन की विफलता के कारण
   (घ) उपरोक्त सभी

4. बाल मजदूरी समाप्त करने के लिए आवश्यक है -
   (क) कैलाश सत्यार्थी जैसे व्यक्तियों द्वारा आंदोलन चलाना
   (ख) पुलिस द्वारा कानूनों का पालन करवाना
   (ग) बच्चों के लिए शिक्षा का प्रबंध करना
   (घ) गरीब व्यक्तियों तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुँचाना

5. "बच्चों को काम से निकालकर शिक्षा दिलाने की योजना बहुत कारगर सिद्ध नहीं हो पा रही है।" यह किस प्रकार का वाक्य है ?
   (क) संयुक्त वाक्य
   (ख) मिश्र वाक्य
   (ग) सरल वाक्य
   (घ) प्रश्नवाचक वाक्य

गद्यांश - **4**

प्रकृति अपने विभिन्न रूप में विद्यमान है | प्रकृति के सौम्य और आकर्षक रूप के अलावा इसका एक डरावना चेहरा भी है, जिसे हम प्राकृतिक आपदाओं के नाम से जानते हैं | भूकंप, सुनामी, चक्रवात, ज्वालामुखी विस्फोट, भूस्खलन, बाढ़, सूखा जैसी प्राकृतिक आपदाएँ व्यापक तबाही का कारण बनती हैं | पृथ्वी का अपनी धुरी से हिलकर कंपन करने की स्थिति को भूकंप या भूचाल कहा जाता है | कभी-कभी यह स्थिति इतनी भयावह हो जाती है कि इसके परिणामस्वरूप पृथ्वी के ऊपर स्थित जड़ व चेतन प्रत्येक प्राणी और पदार्थ का या तो विनाश हो जाता है या फिर वह सर्वनाश की स्थिति में पहुँच जाता है | जापान, गुजरात आदि जगह भूकंप आकर अपनी विनाशशीलता प्रस्तुत करते रहते हैं | 25 अप्रैल, 2015 को उत्तरी भारत में भूकंप के झटके महसूस किए गए | इस भूकंप का केंद्र नेपाल की राजधानी काठमांडू से लगभग 70 किलोमीटर दूर लामजूंग में था | रिक्टर स्केल के केंद्र पर इसकी तीव्रता लगभग 7.5 थी | इस भूकंप के दौरान नेपाल में व्यापक तबाही हुई, इसके अलावा नेपाल से सटे भारतीयका क्षेत्र बिहार, सिक्किम में भी भूकंप का प्रभाव देखा गया | भूकंप तरंगों का सबसे विध्वंसक प्रभाव मानव निर्मित आकारों; जैसे – रेलमार्गों, सडकों, पुलों आदि पर पड़ता है |

प्रश्न

1. प्रकृति के भयावह स्वरूप को और किस नाम से जाना जाता है **?**
   (क) सौम्य और आकर्षक रूप
   (ख) धुरी का कंपन
   (ग) प्राकृतिक आपदाओं
   (घ) इनमें से कोई नहीं

2. पृथ्वी का अपनी धुरी से हिलकर कंपन करने की स्थिति को कहते हैं **?**
   (क) सुनामी
   (ख) ज्वालामुखी
   (ग) भूस्खलन
   (घ) भूकंप या भूचाल

3. **25** अप्रैल**, 2015** को उत्तरी भारत में महसूस किए गए भूकंप के झटके का केंद्र था **–**
   (क) नेपाल
   (ख) काठमांडू
   (ग) लामजूंग
   (घ) ये सभी

4. भूकंप तरंगों का सर्वाधिक विनाशकारी विध्वंसक प्रभाव पड़ता है **–**
   (क) रेलमार्गों पर

(ख) सड़कों पर

(ग) पुलों पर

(घ) ये सभी

5. दिए गए गद्यांश का उचित शीर्षक है –

(क) भूकंप-विध्वंसक प्राकृतिक आपदा

(ख) धुरी का कंपन

(ग) प्राकृतिक आपदाएँ

(घ) विनाशशीलता

गद्यांश **5**

वास्तव में, योग मनुष्य को अनेक बीमारियों से तो मुक्त रखता ही है, साथ ही उनमें बेहतर सोच एवं सकारात्मक ऊर्जा भी पैदा करता है | आज की भाग-दौड़ भरी ज़िन्दगी में विज्ञान की प्रगति के कारण मानव-जीवन जिस तरह मशीनों पर निर्भर रहने लगा है, उसके लिए शारीरिक एवं मानसिक तौर पर स्वस्थ रहना किसी चुनौती से कम नहीं | मशीनों पर निर्भरता एवं व्यस्तता के कारण आज मानव-शरीर तनाव, थकान, बीमारी इत्यादि का घर बनता जा रहा है, उसने हर प्रकार की सुख-सुविधाएँ हासिल कर लीं, किन्तु उसके सामने शारीरिक एवं मानसिक तौर पर स्वस्थ रहने की चुनौती पूर्ववत् ही है | यद्यपि चिकित्सा एवं आयुर्विज्ञान के क्षेत्र में मानव ने अत्यधिक प्रगति कर अनेक प्रकार की बीमारियों पर विजय प्राप्त कर ली है, लेकिन इससे उसे पर्याप्त मानसिक शांति भी प्राप्त हो गई, ऐसा कहना पूर्णत: सही नहीं होगा, किन्तु भारतीय संस्कृति की एक प्राचीन विद्या ने मानव को शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मन की शांति के संदर्भ में रोशनी की एक ऐसी किरण प्रदान की है, जिससे न केवल तनाव, थकान, बीमारी एवं अन्य समस्याओं का समाधान संभव है, बल्कि मानव मन को शांति प्रदान करने में भी उसकी भूमिका अहम है और यह योग है |

प्रश्न

1. योग मनुष्य को अनेक बीमारियों से मुक्त रखने के साथ-साथ और क्या करता है **?**

(क) बेहतर सोच एवं सकारात्मक ऊर्जा पैदा करता है

(ख) मानसिक तौर पर अस्वस्थ रखता है

(ग) बीमारियों से ग्रसित करता है

(घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

2. मानव जीवन मशीनों पर निर्भर क्यों रहने लगा है **?**

(क) थकान के कारण

(ख) तनाव के कारण

(ग) विज्ञान की प्रगति के कारण

(घ) उपरोक्त सभी

3. आज मनुष्य के सामने कौन-सी चुनौती है **?**

(क) बेरोजगारी की चुनौती

(ख) जनसंख्या वृद्धि की चुनौती

(ग) शारीरिक एवं मानसिक तौर पर स्वस्थ रहने की चुनौती

(घ) भ्रष्टाचार वृद्धि की चुनौती

4. मानव ने किस क्षेत्र में अत्यधिक प्रगति कर अनेक प्रकार की बीमारियों पर विजय प्राप्त कर ली है **?**

(क) विज्ञान के क्षेत्र में

(ख) सुख-सुविधाओं के क्षेत्र में

(ग) चिकित्सा एवं आयुर्विज्ञान के क्षेत्र में

(घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

5. दिए गए गद्यांश का उचित शीर्षक होगा –

(क) विज्ञान की प्रगति

(ख) चिकित्सा एवं आयुर्विज्ञान का क्षेत्र

(ग) शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य

(घ) योग की आवश्यकता / महत्त्व

गद्यांश- **6**

गांधीजी ने दक्षिण अफ्रीका में प्रवासी भारतीयों को मानव-मात्र की समानता और स्वतंत्रता के प्रति जागरुक बनाने का प्रयत्न किया। इसी के साथ उन्होंने भारतीयों के नैतिक पक्ष को जगाने और सुसंस्कृत बनाने के प्रयत्न भी किए। गांधी जी ने ऐसा क्यों किया? इसलिए कि वे मानव-मानव के बीच काले-गोरे, या ऊँच-नीच का भेद ही मिटाना प्रयाप्त नहीं समझते थे, वरन उनके बीच एक मानवीय स्वभाविक स्नेह और हार्दिक सहयोग का संबंध भी स्थापित करना चाहते थे।

इसके बाद जब वे भारत आए, तब उन्होंने इस प्रयोग को एक बड़ा और व्यापक रुप दिया विदेशी शासन के अन्याय-अनीति के विरोध में उन्होंने जितना बड़ा सामूहिक प्रतिरोध संगठित किया, उसकी मिसाल संसार के इतिहास में अन्यत्र नहीं मिलती। पर इसमें उन्होंने सबसे बड़ा ध्यान इस बात का रखा कि इस प्रतिरोध में कहीं भी कटुता, प्रतिशोध की भावना अथवा कोई भी ऐसी अनैतिक बात न हो जिसके लिए विश्व-मंच पर भारत का माथा नीचा हो। ऐसा गांधी जी ने इसलिए किया क्योंकि वे मानते थे कि बंधुत्व, मैत्री, सदभावना , स्नेह-सौहार्द आदि गुण मानवता रूप टहनी के ऐसे पुष्प हैं जो सर्वदा सुगंधित रहते हैं।

प्रश्न

1. अफ्रीका में प्रवासी भारतीयों के पीड़ित होने का क्या कारण था?

क) निर्धनता धनिकता पर आधारित भेदभाव

ख) रंग-भेद और सामाजिक स्तर से संबंधित भेदभाव

ग) धार्मिक भिन्ता पर आश्रित भेदभाव

घ) विदेशी होने से उत्पन्न मन-मुटाव

2. गांधी जी अफ्रीकावासियों और भारतीय प्रवासियों के मध्य क्या स्थापित करना चाहते थे?

क) सहज प्रेम एवं सहयोग की भावना

ख) पारिवारिक अपनत्व की भावना

ग) अहिंसा एवं सत्य के प्रति लगाव

घ) विश्वबंधुत्व की भावना

3. भारत में गांधीजी का विदेशी शासन का प्रतिरोध किस पर आधारित था?

क) संगठन की भावना पर

ख) नैतिक मान्यताओं पर

ग) राष्ट्रीयता के विचारों पर

घ) शांति की सदभावना पर

4. बंधुत्व, मैत्री आदि गुणों की पुष्पों के साथ तुलना आधारित है –

क) उनकी सुंदरता पर

ख) उनकी कोमलता पर

ग) उनके अपनत्व पर

घ) उनके कायिक प्रभाव पर

5. गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक क्या होगा?

क) अफ्रीका में गांधी जी

ख) प्रवासी भारतीय और गांधी जी

ग) गांधी जी की नैतिकता

घ) गांधी जी और विदेशी शासन

गद्यांश- **7**

दूसरे हमारी क्षमता का विश्वास करें और हमारी सफलता को निश्चित मानें। इसके लिए आवश्यक शर्त यह है कि हमारी अपनी क्षमता और सफलता में अखंड़ विश्वास हो। हमारे भीतर उगा भय,शंका और अधैर्य ऐसे डायनामाइट हैं,जो हमारे प्रति दूसरों के विश्वास को खंड़ित कर देते हैं। हमारे विद्यालय में,जो नगर से दूर जंगल में था,चौदह वर्ष का एक बालक अपने घर से अकेला पढ़ने आया करता थ। कुछ दिन बाद दूसरा

बालक भी उसके साथ आने लगा। वह दूसरा बालक बहुत डरपोक था। वह भूतों और चोरों की कहानियाँ उसे सुनाया करता। इसका ऐसा प्रभाव पड़ा कि पहला बालक भी डरपोक हो गया और वे दोनों मेरी प्रतीक्षा करते रहते कि मैं चलूँ, तो वे भी मेरे साथ चलें।

सूत्र यह बनता है कि - हतोत्साहियों,निराशावादियों,डरपोकों और सदा असफलता का ही पाठ पढ़नेवालों के संपर्क से दूर रहो। नीति का वचन है कि जहाँ अपनी,अपने कुल की और अपने देश की निंदा हो और उसका मुँहतोड़ उत्तर देना संभव न हो, तो वहाँ से उठ जाना चाहिए। क्यों? क्योंकि इससे हमारे आत्मविश्वास की भावना खंड़ित होने का भय रहता है |

प्रश्न :-

1.दूसरे लोग हमारी सफलता और क्षमता पर कब विश्वास करने लगते है **?**

(क) जब हम उनके मित्र हों

(ख) जब हम बलशाली हो

(ग) जब हमें अपनी सफलता और क्षमता पर पूर्ण विश्वास हो

(घ) इनमें से कोई नहीं

2. भय,शंका और अंधविश्वास को डायनामाइट क्यों कहा हैं **?**

(क) ये हमारे प्रति दूसरों के विश्वास को खंड़ित कर देते हैं

(ख) ये हमारे मन में भय को जन्म देते हैं

(ग) ये हमें मन से शक्तिशाली बनाते हैं

(घ) उपरोक्त सभी

3. जहाँ अपने कुल की और अपने देश की निंदा हो तो वहाँ से क्यों उठ जाना चाहिए**?**

(क) इससे हमारा अपमान होता है

(ख) ऐसी बातें हानिकारक होती है

(ग) इन बातों से हमें दुख पहुँचता है

(घ) आत्मविश्वास और आत्मगौरव खंड़ित होने का भय होता है

4. इस गद्यांश से हमें शिक्षा मिलती है **?**

(क) हमें बुद्धिमान लोगों से दूर रहना चाहिए

(ख) शक्तिशाली लोगों से दूर रहना चाहिए

(ग) निराशवादी और डरपोक लोगों से दूर रहना चाहिए

(घ) इनमें से कोई नहीं

5. इसका ऐसे प्रभाव पड़ा कि <u>पहला बालक भी डरपोक हो गया</u>। **(**रेखांकित अंश के उपवाक्य का भेद बताइए**)**

(क) विशेषण उपवाक्य

(ख) इनमें से कोई नहीं

(ग) क्रिया विशेषण उपवाक्य

(घ) संज्ञा उपवाक्य

गद्यांश **-8**

सत्य की आराधना ही भक्ति है। भक्ति का मार्ग बड़ा ही विकट है। यह हरि का मार्ग है जिसमें कायरता की कोई गुंजाइश नहीं है। सत्य और भक्ति परस्पर पूरक हैं।असत्य भाषण नियम विरुद्ध है। किसी भी कारणवश बोला गया असत्य हमारी आत्मा को स्वीकार्य नहीं होता क्योंकि अंतरात्मा का धर्म तो मात्र सत्य को ही ग्रहण करता है। अतः असत्य भाषण हमारी आत्मा तथा चरित्र को मैला करता है।

सदाचरण पर आधारित समाज ही 'राम राज्य' को स्थापित कर सकता है। राम का राज्य सत्य पर आधारित था, इसलिए वे इतने प्रतापी राजा बने। तुलसीदास का 'रामचरित्रमानस' कृति में 'रामराज्य' का वर्णन निहित है। असत्य से समाज का पतन होता है। आज हमारे राष्ट्रीय-जीवन में कथनी और करनी में बहुत अंतर आ गया है। बेईमान व्यक्ति ईमानदारी का ढोल पीट रहा है जिससे समाज में अराजकता व्याप्त हो रही है।

प्रश्न :-

1. उपर्युक्त गद्यांश के अनुसार भक्ति क्या है **?**

(क) सत्य की आराधना

(ख) पूजा-पाठ

(ग) तीर्थाटन

(घ) व्रत करना

2. हमारी आत्मा को क्या स्वीकार नहीं है**?**

(क) सदा सत्य बोलना

(ख) कायरता का त्याग करना

(ग) असत्य बोलना

(घ) कथनी-करनी में भेद न करना

3. तुलसीदास की किस कृति में रामराज्य का वर्णन है**?**

(क) गीतावली

(ख) रामचरितमानस

(ग) रामललानहछू

(घ) कृष्ण – गीतावली

4.हमारी आत्मा एवं चरित्र को कौन मैला करता है**?**

(क) असत्य – भाषण

(ख) नियमित आराधना न करना

(ग) नास्तिक होना

(घ) अनुशासन न मानना

5. भक्ति-मार्ग में किसकी गुंजाइश नहीं है**?**

(क) लोभ की

(ख) मोह की

(ग) कायरता की

(घ) कृपणता की

गद्यांश **-9**

गांधीजी ने दक्षिण अफ्रीका में प्रवासी भारतीयों को मानव-मात्र की समानता और स्वतंत्रता के प्रति जागरुक बनाने का प्रयत्न किया। इसी के साथ उन्होंने भारतीयों के नैतिक पक्ष को जगाने और सुसंस्कृत बनाने के प्रयत्न भी किए। गांधी जी ने ऐसा क्यों किया? इसलिए कि वे मानव-मानव के बीच काले-गोरे, या ऊँच-नीच का भेद ही मिटाना प्रयाप्त नहीं समझते थे, वरन उनके बीच एक मानवीय स्वभाविक स्नेह और हार्दिक सहयोग का संबंध भी स्थापित करना चाहते थे।

इसके बाद जब वे भारत आए, तब उन्होंने इस प्रयोग को एक बड़ा और व्यापक रुप दिया विदेशी शासन के अन्याय-अनीति के विरोध में उन्होंने जितना बड़ा सामूहिक प्रतिरोध संगठित किया, उसकी मिसाल संसार के इतिहास में अन्यत्र नहीं मिलती। पर इसमें उन्होंने सबसे बड़ा ध्यान इस बात का रखा कि इस प्रतिरोध में कहीं भी कटुता, प्रतिशोध की भावना अथवा कोई भी ऐसी अनैतिक बात न हो जिसके लिए विश्व-मंच पर भारत का माथा नीचा हो। ऐसा गांधी जी ने इसलिए किया क्योंकि वे मानते थे कि बंधुत्व, मैत्री, सदभावना , स्नेह-सौहार्द आदि गुण मानवता रूप टहनी के ऐसे पुष्प हैं जो सर्वदा सुगंधित रहते हैं।

प्रश्न :-

1. अफ्रीका में प्रवासी भारतीयों के पीड़ित होने का क्या कारण था**?**

(क) निर्धनता धनिकता पर आधारित भेदभाव

(ख) रंग-भेद और सामाजिक स्तर से संबंधित भेदभाव

(ग) धार्मिक भिन्ता पर आश्रित भेदभाव

(घ) विदेशी होने से उत्पन्न मन-मुटाव

2. गांधी जी अफ्रीकावासियों और भारतीय प्रवासियों के मध्य क्या स्थापित करना चाहते थे**?**

(क) सहज प्रेम एवं सहयोग की भावना

(ख) पारिवारिक अपनत्व की भावना

(ग) अहिंसा एवं सत्य के प्रति लगाव

(घ) विश्वबंधुत्व की भावना

3. भारत में गांधीजी का विदेशी शासन का प्रतिरोध किस पर आधारित था**?**

(क) संगठन की भावना पर

(ख) नैतिक मान्यताओं पर

(ग) राष्ट्रीयता के विचारों पर

(घ) शांति की सदभावना पर

4. बंधुत्व**,** मैत्री आदि गुणों की पुष्पों के साथ तुलना आधारित है **–**

(क) उनकी सुंदरता पर

(ख) उनकी कोमलता पर

(ग) उनके अपनत्व पर

(घ) उनके कायिक प्रभाव पर

5. गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक क्या होगा**?**

(क) अफ्रीका में गांधी जी

(ख) प्रवासी भारतीय और गांधी जी

(ग) गांधी जी की नैतिकता

(घ) गांधी जी और विदेशी शासन

गद्यांश **- 10**

पाटलिपुत्र पहुंचकर यूनानी दूत मेगास्थनीज आचार्य विष्णुगुप्त से भेंट करने के लिए नगर की सीमा से बाहर स्थित उनकी कुटिया पर जब पहुंचा, उस समय शाम ढलने ही वाली थी, अंधेरा छाने लगा था। मेगास्थनीज ने बाहर से ही देखा कि आचार्य अपने आसन पर बैठे कुछ काम करने में लगे हुए हैं। प्रकाश की व्यवस्था के लिए वही रखी एक तिपाई पर दिया जल रहा था। मेगास्थनीज के द्वार के निकट पहुंचने पर आचार्य ने उसे भीतर आकर स्थान ग्रहण करने का संकेत किया और स्वयं अपने कार्य में तल्लीन रहे |कुछ समय के उपरांत उन्होंने अपना कार्य समाप्त करके प्रकाशमान दीपक को बुझा दिया और पास ही रखा एक अन्य दीपक जला दिया। मेगास्थनीज सोचने लगा कि जब एक दीपक जल ही रहा था तो आचार्य ने उसे बुझा कर दूसरा दीपक क्यों जलाया? उससे रहा नहीं गया और उसने आचार्य से इसका कारण पूछ ही लिया। आचार्य ने सहजता से कहा, ' तुम जब यहां आए, तब मैं जो काम कर रहा था, वह राज-व्यवस्था से

संबंधित था और तब जो दीपक जल रहा था, उसका खर्च शासन तंत्र उठाता है। लेकिन अब क्योंकि वह कार्य समाप्त हो गया, इसलिए मैंने वह दीपक बुझा दिया। अभी तो दीपक मैंने जला रखा है उसके खर्च का वाहन मैं अपनी आय से करता हूं। मैं अपने व्यक्तिगत कार्य के लिए राज्य के संसाधन का दुरुपयोग कैसे कर सकता हूं? मेगास्थनीज ने नैतिक जवाबदेही का ऐसा उदाहरण और कहीं नहीं देखा था। वह समझ गया कि मौर्य- शासन का भविष्य उज्जवल है।

प्रश्न:-

1. आचार्य विष्णुगुप्त कहां रहते थे**?**

(क) पाटलिपुत्र के भव्य भवन में।

(ख) गांव की एक मामूली झोपड़ी में।

(ग) नगर की सीमा से बाहर कुटिया में।

(घ) गंगातट पर बने आश्रम में।

2. मेगास्थनीज ने क्या सोच रहा था **?**

(क) विष्णुगुप्त का कुटिया में निवास करना

(ख) उनका अत्यंत व्यस्त रहना।

(ग) एक दीपक बुझाकर अन्य दीपक जलाना।

(घ) अपने कार्य को समय पर निबटाना।

3. मेगास्थनीज ने आचार्य से क्या पूछा**?**

(क) उनके स्वास्थ्य की कुशल।

(ख) दूसरा दीपक जलाने का कारण।

(ग) राज्य - व्यवस्था के बारे में।

(घ) राज्य की प्रजा के विषय में।

4. दीपक की घटना संदेशवाहक है-

(क) प्रशासक की कर्मठा की।

(ख) प्रशासक की नैतिक जवाबदेही की।

(ग) प्रशासक की कुशल प्रशासन शैली की।

(घ) राज्य के प्रति प्रशासकीय निष्ठा की।

5. दुरुपयोग **'**शब्द में उपसर्ग है -

(क) दु

(ख) दुर

(ग) दुरू

(घ) दूरू

अपठित बोध

निम्नलिखित काव्यांशों को ध्यानपूर्वक पढ़कर इनसे संबंधित पूछे गए बहुविकल्पी प्रश्नों में से सही विकल्प का चुनाव करें |

काव्यांश **1**

मैंने छुटपन में छिपकर पैसे बोये थे,
सोचा था, पैसों के प्यारे पेड़ उगेंगे,
रुपयों की कलदार मधुर फसलें खनकेंगी,
और, फल-फूल कर, मैं मोटा सेठ बनूँगा!
पर बंजर धरती में एक न अंकुर फूटा,
बंध्या मिट्टी ने न एक भी पैसा उगला!
सपने जाने कहाँ मिटे, सब धूल हो गए!
मैं हताश हो, बाट जोहता रहा दिनों तक,
बाल कल्पना के अपलक पाँवड़े बिछाकर!
मैं अबोध था, मैंने गलत बीज बोये थे,
ममता को रोपा था, तृष्णा को सींचा था|

प्रश्न:-

1. किस अवस्था में कवि ने पैसे बोये थे **?**

(क) युवावस्था
(ख) बाल्यावस्था
(ग) वृद्धावस्था
(घ) तरुणावस्था

2. कवि ने पैसों को क्यों बोया था **?**

(क) ढ़ेरों पैसे पाने के लिए
(ख) चोरों से बचाने के लिए
(ग) पैसे बचाने के लिए
(घ) पैसे छिपाने के लिए

3. पैसे बोने से कवि को क्या प्राप्त हुआ **?**

(क) खूब सारे पैसों के फल

(ख) कवि धनी बन गया

(ग) कवि की मेहनत बेकार गई

(घ) पैसों की खूब फ़सल उगी

4. कुछ दिनों बाद कवि ने क्या महसूस किया **?**

(क) उसने बंजर धरती में बीज बोया था

(ख) उसने पौधे को कम पानी दिया था

(ग) उसे कम देखभाल का समय मिला था

(घ) उसने ममता और लालच का बीज बोया था

5. "बंजर" शब्द का विलोम रूप लिखिए

(क) अनुर्वर

(ख) उर्वर

(ग) प्रस्तर

(घ) ऊसर

काव्यांश **2**

हम जब होंगे बड़े, घृणा का नाम मिटाकर लेंगे दम |
हिंसा के विषमय प्रवाह में, कब तक और बहेगा देश!
हम होंगे बड़े, देखना नहीं रहेगा यह परिवेश!
भ्रष्टाचार जमाखोरी की, आदत बहुत पुरानी है
ये कुरीतियाँ मिटा हमें तो, नई चेतना लानी है |
एक घरौंदे जैसा आखिर, कितना और ढहेगा देश
जब हम होंगे बड़े देखना, ऐसा नहीं रहेगा देश!
इसकी बागडोर हाथों में, जरा हमारे आने दो
थोड़ा-सा बस पाँव हमारा, जीवन में टिक जाने दो |
हम खाते हैं शपथ, दुर्दशा कोई नहीं सहेगा देश
घोर अभावों की ज्वाला में, कल से नहीं ढहेगा देश |

प्रश्न :-

1. बड़े होने पर देश में किस तरह का परिवेश नहीं रहेगा **?**

(क) सदभावना का

(ख) भेदभाव का

(ग) हिंसा का

(घ) घृणा और हिंसा का

2. "विषमय प्रवाह" किसे कहा गया है **?**

(क) प्रदूषण को
(ख) भ्रष्टाचार को
(ग) घृणा और हिंसा को
(घ) जातिवाद को

3. कविता में कुरीतियाँ किन्हें कहा गया है**-**

(क) घृणा
(ख) हिंसा
(ग) भ्रष्टाचार
(घ) भ्रष्टाचार और जमाखोरी

4. कवि देश को किस ज्वाला से बचाना चाहता है **?**

(क) भ्रष्टाचार-जमाखोरी
(ख) घृणा-हिंसा
(ग) कुरीति-अंधविश्वास
(घ) भयंकर गरीबी

5. कवि किसकी बागडोर अपने हाथों में लेना चाहता है **?**

(क) संसार की
(ख) व्यवस्था की
(ग) देश की
(घ) कुरीतियों की

काव्यांश **3**

हारा हूँ सौ बार
गुनाहों से लड़-लड़कर
लेकिन बारम्बार लड़ा हूँ
मैं उठ-उठकर
इससे मेरा हर गुनाह भी मुझसे हारा
मैंने अपने जीवन को इस तरह उबारा
डूबा हूँ हर रोज
किनारे तक आ-आकर

लेकिन मैं हर रोज उगा हूँ
जैसे दिनकर
इससे मेरी असफलता भी मुझसे हारी
मैंने अपनी सुंदरता इस तरह सँवारी

प्रश्न:-

1. कवि गुनाहों से सौ बार हारा है, लेकिन वह लड़ा है -

(क) गिर-गिरकर
(ख) उठ-उठकर
(ग) भाग-भागकर
(घ) छिप-छिपकर

2. कवि ने अपनी असफलताओं को पराजित किया है -

(क) गुनाहों से लड़कर
(ख) घायल होकर
(ग) विजय की कामना करके
(घ) अनाचार का सामना करके

3. "डूबा हूँ हर रोज किनारे तक आ-आकर" का अर्थ है कि कवि -

(क) प्रतिदिन किनारे आकर डूब गया है
(ख) वह तैरना नहीं जानता
(ग) सफलताओं के समीप आकर भी असफल हुआ है
(घ) असफलताओं से नहीं घबराता

4. "मैंने अपनी सुंदरता इस तरह सँवारी" पंक्ति द्वारा कवि के व्यक्तित्व की इस विशेषता का पता चलता है कि उसने विजय प्राप्त की है -

(क) अपनी सुंदरता को नष्ट करके
(ख) अपनी सुंदरता का ध्यान रखकर
(ग) अपनी सुंदरता को सँवारकर
(घ) हार न मानकर, लगातार संघर्ष करते हुए

5. "दिनकर" शब्द का अर्थ है -

(क) सूर्य
(ख) चंद्रमा

(ग) दिन

(घ) रात

काव्यांश **4**

रात में जब सोया था
सोते-सोते एक सपना बोया था
बस एक दो हफ्ते में
तैयार होगी अरहर खेतों में
और कटेगी मसूर बिकेगी बाज़ार में
हो जायेगी रहन मुक्त सब ज़मीन
जो बच पायेगा
उसके कुछ हिस्से से मकान बन जायेगा
फिर मार्च के महीने में
जवान बेटी का रिश्ता तय करना है
बस कुछ दिन के बाद आयेगा चैत्र और वैशाख
और गेहूँ की फसलें बेचकर
चूकाऊँगा कर्ज़ और बचा लूँगा साख
बस फिर क्या एक ही काम और करना है
बुड्ढ़े, बुड्ढ़ी को साथ लेकर चारों धाम की यात्रा करना है उनको
दिया वायदा भी पूरा हो जायेगा
मरने से पहले बेटा तीरथ करा दो
यह सपना भी पूरा हो जायेगा
और देर रात सोया था इन सपनों के साथ

प्रश्न:-

1. कविता में वर्णन है, एक -

(क) व्यापारी के स्वप्न का

(ख) लेखक के सपने का

(ग) कवि की कल्पना का

(घ) किसान की वस्तुस्थिति का

2. किसान के सपने की महत्त्वपूर्ण बात थी -

(क) सुंदर सपने को देखना

(ख) अरहर और मसूर का तैयार होना

(ग) तैयार फ़सल को बाज़ार में बेचना

(घ) अन्न को बेचकर प्राप्त राशि से जमीन को गिरवी से छुड़ाना आदि कल्पनाएँ

3. किसान गेहूँ बेचकर प्राप्त धनराशि से **-**

(क) अच्छी खेती करेगा

(ख) महाजन के कर्ज से मुक्त होगा

(ग) सरकारी टैक्स देगा

(घ) सिंचाई विभाग की अदायगी करेगा

4. "बस फिर क्या एक ही काम और करना है", कौन-सा महत्त्वपूर्ण काम था **?**

(क) कर्ज चुकता करना

(ख) गेहूँ की फ़सल बोना

(ग) माँ-बाप को तीर्थ-यात्रा कराना

(घ) बिटिया का ब्याह रचाना

5. कविता परिचायक है किसान की **-**

(क) खुशहाली की

(ख) बदहाली की

(ग) ऋणमयी दशा की

(घ) ऋणमुक्त दशा की

काव्यांश **5**

कहती है सारी दुनिया जिसे किस्मत
नाम है उसका हकीकत में मेहनत |
जो रचते हैं, खुद अपनी किस्मत, वे कहे जाते हैं साहसी
जो करते हैं, ईश्वर से शिकायत, वे कहे जाते हैं, आलसी |
जो रुक गया, मिट गया उसका नामो-निशान
जो चलता रहा, अपनी मंजिल वो पा गया |
खुशी के हकदार हैं वही, जिन्होंने दुख को सहा
छोड़ के दामन फूलों का, काँटों की राह को चुना |
निराशा का अंधकार मिटाकर, आशा के दीप जलाओ
छोड़ भाग्य की दुहाई, अपनी किस्मत स्वयं बनाओ |

प्रश्न:-

1. हकीकत में किस्मत किसे कहते हैं **?**

(क) सेहत
(ख) रहमत
(ग) मेहनत
(घ) सहमत

2. जो अपनी किस्मत रचते हैं उन्हें क्या कहते हैं **?**

(क) साहसी
(ख) आलसी
(ग) रचयिता
(घ) मेहनती

3. खुशी का सच्चा हकदार कौन है **?**

(क) सुख लेने वाला
(ख) दुख देने वाला
(ग) सुख सहने वाला
(घ) दुख सहने वाला

4. किसका अंधकार मिटाना है **?**

(क) हताशा का
(ख) आशा का
(ग) निराशा का
(घ) भाषा का

5. किसे छोड़ने पर किस्मत बनती है **?**

(क) भाग्य की दुहाई
(ख) कर्म की दुहाई
(ग) धर्म की दुहाई
(घ) मर्म की दुहाई

खोल सीना,बाँधकर मुट्ठी कड़ी
मैं खड़ा ललकारता हूँ
ओ नियति।
तू सुन रही है?
मैं खड़ा तुमको यहाँ ललकारता हूँ।
हाँ, वही मैं
जो कि कल तक कह रहा था।
तुम्हीं हो सर्वस्व मेरी
और यह जीवन तुम्हारी कृपा-करुणा का भिखारी,
दान दो संजीवनी का, या गरल दो मृत्यु का स्वीकार है।
हाँ,वही मैं
आज ख्ले वक्ष, उन्नत शीश रक्तिम नेत्र
तुझको दे रहा हूँ,ले चुनौती
गगनभेदी घोष में
दृढ़ बाहुदंड़ों को उठाए।

प्रश्न:-

1. कवि किसे ललकार रहा है ?

(क) अपने वर्तमान को
(ख) अपने भविष्य को
(ग) अपने भाग्य को
(घ) अपने शत्रु को

2. कल तक कवि की स्थिति कैसी थी?

(क) वह नियति को ही अपना सर्वस्व मान रहा था
(ख) वह उसकी कृपा पाने का इच्छुक था
(ग) उसमें नियति से संघर्ष कर आगे बढ़ने की हिम्मत नहीं थी
(घ) चुनौती देने की

3. वह नियति से कल क्या निवेदन कर रहा था?

(क) मैं हर हाल में तुम्हारे अधीन हूँ
(ख) जीने के लिए संजीवनी दे दो
(ग) मृत्यु के लिए विष दे दो

(घ) मुझे भी शक्ति चाहिए

4. आज कवि की क्या स्थिति है?

(क) आज उसमें आत्मविश्वास नहीं आ पाया है

(ख) अब वह नियति को चुनौति देने की स्थिति में है

(ग) अब उसमें सिर उठाने की हिम्मत नहीं है

(घ) आज वह अनिर्णय की स्थिति में है

5. 'नियति' का अर्थ है -

(क) दुर्भाग्य

(ख) किस्मत

(ग) सौभाग्य

(घ) बदकिस्मती

काव्यांश **7**

निमंत्रण मिलेगा सरल हास का, तो
लिए हाथ में फूल आगे बढ़ेंगे
चुनौती मिलेगी कुटिल भौंह कि, तो
लिए हाथ में शूल आगे बढ़ेंगे।
लिए चंद्र का तोष है आँख दाई
लिए सूर्य का रोश है आँख बाई
समय की विकट धार को हम सदा ही
बदलते रहे थे - बदलते रहेंगे।
प्रकृति से हमें जो मिला बल, उसे हम
सदा निर्बलों की समझते हैं थाती
इसी से किसी चोट खाए हुए की
दशा देखकर आँख है तिलमिलाती।
तवारीख़ से कोई ले ले गवाही
हमारे ही ज्वालामुखी की तपन से
अहंकारियों की दिमागी कुटिलता
पिघलती रही थी पिघलती रहेगी।

प्रश्न:-

1. काव्यांश मे चुनौती मिलने पर क्या करने की बात कही गयी है **?**

(क) फूल लेकर सामना करने की

(ख) शस्त्र लेकर सामना करने की

(ग) मुहँ मोड़कर भाग जाने की

(घ) सामने आकर समर्पण करने की

2. "सूर्य का रोष" प्रतीक है-

(क) शांति का

(ख) अशांति का

(ग) क्रांति का

(घ) क्रोध का

3. "समय की विकट धार को बदलने" से तात्पर्य है **-**

(क) समय का सामना नहीं करना

(ख) समय के विपरित चल देना

(ग) समय की परवाह न करना

(घ) समय को अपने अनुकूल कर लेना

4. प्राकृतिक शक्ति की सार्थकता है **-**

(क) निर्बलों की सहायता मे

(ख) निर्बलों को सताने मे

(ग) निर्बलों को लुभाने मे

(घ) निर्बलों को पीड़ा देने मे

5. "तवारीख" से तात्पर्य है **-**

(क) आज की तिथि

(ख) आगे आने वाली तिथि

(ग) वर्तमान समय

(घ) इतिहास

काव्यांश **8**

एटम में नागासकी फिर नहीं जलेगी,
युद्धविहीन विश्व का सपना भंग नही होने देंगे।
जंग न होने देंगे।
हथियारों के ढेरों पर, जिनका है डेरा,
मुँह में शांति, बगल में बम, धोखे का है फेरा
दुनिया जान गयी है उनका असली चेहरा

कामयाब हो उनकी चालें, ढंग ना होने देंगे।
जंग ना होने देंगे।
हमे चाहिए शांति, ज़िंदगी हमको प्यारी
हमें चाहिए शांति, सृजन की हैं तैयारी
हमने छेडी जंग भूख से, बीमारी से
आगे आकर हाथ बँटाए दुनिया सारी।
हरी-भरी धरती को खूनी रंग न लेने देंगे
जंग ना होने देंगे।
भारत-पाकिस्तान पड़ोसी, साथ-साथ रहना है
प्यार करे या वार करे, दोनों को ही सहना है
जो हम पर गुज़री बच्चों के संग न होने देंगे।
जंग ना होने देंगे।
भारत-पाकिस्तान पड़ोसी,साथ-साथ रहता है
प्यार करे या वार करे, दोनों को ही सहना है
जो हम पर गुजरी बच्चों के संग न होने देंगे।
जंग न होने देंगे।

प्रश्न:-

1. कवि ने धोखा किसे कहा है ?

(क) कामयाब चालें चलने को
(ख) नाकामयाब चालें चलने को
(ग) शांति का दिखाव, परंतु हिंसा का साथ
(घ) हथियारों के ढेर एकत्रित करना

2. कवि क्या पाना चाहता है ?

(क) हथियारो का भंडार
(ख) एटम बम
(ग) असीमित शक्ति
(घ) शांति

3.कवि का क्या स्वप्न है ?

(क) विश्व गुरू बनने का
(ख) विश्वशक्ति बनने का
(ग) शांतिप्रिय संसार का

(घ) युद्धविहीन दुनिया का

4. कवि किसके खिलाफ जंग छेड़ने की बात करता है ?

(क) शांति व सृजन के

(ख) पाकिस्तान के

(ग) आतंकी देशों के

(घ) भूख व बीमारी के

5. कवि किनके लिए चाहता है कि वे युद्ध ना देखे ?

(क) आतंकी

(ख) बच्चे

(ग) वृद्ध

(घ) पड़ोसी

काव्यांश **9**

बिन बैसाखी अपनी श्रतों पर, मै मदमस्त चला॥
सब्जबाग को दिखा-दिखा दुनिया रह-रह मुसकाई।
कंचन और कामिनी ने भी अपनी छटा दिखाई ।
सतरंगे जग के साँचे में ना कभी ढला॥
चिनगारी पर चलते-चलते रुका-झुका न पल-छिना।
गिरे हुओं को रहा उठाता गले लगाता अनुदिंन ।
हालाहल पीते-पीते ही मैं जीवन-भर चला॥
कितने बढ़े - चढ़े द्रुत चलकर शिलशिखर श्रृंगों पर।
कितने अपनी लाश लिए फिरते अपने कंधों पर।
सबकी अपनी अलग नियति है,जीने की कला॥
आँधी से जूझा करना ही बस आता है मुझको।
पीड़ाओं के संग-संग जीना भाता है बस मुझको।
मैं तटस्थ, जो भी जग समझे कह ले बुरा-भला॥

प्रश्न:-

1. सतरंगी संसार कवि मोहित न कर सका, क्योंकि-

(क) सांसारीकता के प्रति उसका लगाव नहीं है

(ख) मोहकता उसको मोहने मे समर्थ नहीं है

(ग) उसको केवल अपने सिद्धंतों से ही प्यार है

(घ) वह सांसारिक मोह को तुच्छ समझता है

2. कवि को जीवन में क्या रास नहीं आया **?**

(क) कष्टों से भरे मार्ग पर चलना

(ख) दीनों-दलितों का उद्धार करना

(ग) जीवन के सुखमय क्षणों को भोगना

(घ) आजीवन वेदनाओं के विष का पान करना

3. कवि का विश्वास है कि हरेक का भाग्य अलग-अलग होता है संसार में**-**

(क) कोई धनिक है तो कोई धनहीन

(ख) कोई उन्नति करता है तो कोई निराश जीवन जीता है

(ग) कोई जीवन में सुख भोगता है तो कोई दुख

(घ) कोई संपन्न होकर भी सुखों से वंचित रहता है

4. कवि ने जीवन बिताया है**-**

(क) कष्टों से जूझकर और पीड़ाओं को चूमकर

(ख) दुखियों के दुख दूर कर और निराश्रितों को आश्रय देकर

(ग) डूबते को बचाकर और भूखे को भोजन देकर

(घ) क्रांति का बिगुल बजाकर और मातृभूमि को जीवन देकर

5. "हालाहल" शब्द का क्या अर्थ हैं ?

(क) अमृत

(ख) विष

(ग) सुधा

(घ) पानी

काव्यांश **10**

अभी परिंदों
में धडकन है,
पेड़ हरे हैं ज़िंदा धरती,
मत उदास हो छाले लखकर
ओ माझी नदिया कब थकती?
चाँद भले ही बहुत दूर हो
राहों को चाँदनी सजाती,
हर गतिमान चरण की खातिर
बदली खुद छाया बन जाती।

कितने ही पंछी बेघर हैं
हिरनों के बच्चे बेहाल
तम से लड़ने कौन चलेगा
रोज़ दिये का यही सवाल?
चाहे
थके पर्वतारोही,
धूप शिखर पर चढ़ती रहती।
फिर-फिर समय का पीपल कहता
बढ़ो हवा की लेकर हिम्म्त,
बर्गद का आशीष सीखाता
खोना नहीं प्यार की दौलत
पथ में
रात भले घिर आए,
कभी सूर्य की दौड़ न रूकती
पग-पग
है आँधी की साजिश,
पर मशाल की जंग न थमती।

प्रश्न:-

1. कवि किसको संबोधित कर रहा है**?**

(क) बीमार व्यक्ति को
(ख) उदास व्यक्ति को
(ग) सफल इंसान को
(घ) अपंग मानव को

2. 'छाले लखकर' का अभिप्राय है**-**

(क) जलने का कष्ट देखकर
(ख) थकावट का कष्ट देखकर
(ग) सांसारिक कष्टों को देखकर
(घ) चलने के कष्टों को देखकर

3. परिंदे, पेड़, नदी-मानव को प्रेरणा दे रहे है**-**

(क) निर्भयता को लिए
(ख) निरंतर गतिशीलता के लिए

(ग) निराश को भोगने के लिये

(घ) संसार का हित करने के लिए

4. चाँदनी, बादल, धूप सहायता कर रहे है-

(क) निराश व्यक्ति की

(ख) निर्धन इंसान की

(ग) लक्ष्य की ओर बढ़ते पथिक की

(घ) अभिमानी मनुष्य की

5. कविता का संदेश नहीं है**-**

(क) मुसीबतों की आँधी मे मशाल बन जाओ

(ख) दीपक की तरह अंधकार से लड़ जाओ

(ग) पुष्प की तरह कष्टों के ओलों से मुरझा जाओ

(घ) हवा की हिम्मत लेकर आगे बढ़ते जाओ

वाक्य भेद (रचना के आधार पर)

वाक्य की परिभाषा- ऐसा सार्थक समूह, जो व्यवस्थित हो, जिसमे कर्ता अथवा क्रिया प्रयुक्त हो तथा जो पूरा आशय प्रकट कर सके, वाक्य कहलाता है।

जैसे- मोहन पुस्तक पढ़ रहा है।

नेता जी भाषण दे रहे थे।

वाक्य के अंग- वाक्य के दो अंग होते हैं-

(1) उद्देश्य- वाक्य में जिस वस्तु के विषय में कहा जाता है, उसे उद्देश्य कहते हैं।

(2) विधेय- वाक्य में उद्देश्य के विषय में जो कुछ कहा जाए, उसे विधेय कहते हैं।

कुछ महत्त्वपूर्ण उदाहरण-

- राजू ने बाजार से फल लिए।
- पानवाले ने साफ बता दिया था।

उद्देश्य	विधेय
राजू ने	बाज़ार से फल लिए।
पानवाले ने	साफ बता दिया था।

रचना की दृष्टि से वाक्य भेद -

(I) सरल वाक्य (II) मिश्र वाक्य (III) संयुक्त वाक्य

(1) सरल वाक्य/साधारण वाक्य- जिन वाक्यों में केवल एक ही उद्देश्य और एक ही विधेय हो तथा समापिका भी एक ही हो , सरल या साधारण वाक्य कहलाते हैं।इसमें कोई भी आश्रित उपवाक्य नहीं होता है; जैसे-

- राजू ने खाना बनाया ।
- ट्रेन छूट रही थी।
- वह परेशान हो रहा था।

(2) मिश्र वाक्य- जिस वाक्य में एक प्रधान उपवाक्य होता है तथा एक या एक से अधिक आश्रित उपवाक्य होते हैं, उसे मिश्र वाक्य कहते हैं; जैसे-

· वर्ग-शिक्षक ने बताया कि कल विद्यालय खुला रहेगा।

· यह वही घड़ी है,जिसे मैं ढूँढ रहा था।

· यह वही लड़का है,जो कल दौड़ में प्रथम आया था।

(3) संयुक्त वाक्य- जिस वाक्य में दो या दो से अधिक सरल या मिश्र वाक्य परस्पर किसी अव्यय या योजक शब्द (और,या,तथा,एवं, परन्तु, अथवा,इसलिए, अतः, फिर भी,किन्तु, लेकिन, पर आदि) से जुड़े हों,उसे संयुक्त वाक्य कहते हैं।संयुक्त वाक्य में प्रयुक्त वाक्य एक -दूसरे पर आश्रित नहीं होते हैं;

· बालक रोया और चुप हो गया।

· उसने परिश्रम नहीं किया इसलिए विफल हुआ।

· शाम हुई और पक्षी घोंसले में लौट गए।

उपवाक्य

उपवाक्य,वाक्य का अंश होता है,जिसमें उद्देश्य और विधेय होते हैं।अतः पदों का ऐसा समूह,जिसका अपना अर्थ हो,जो सामान्यतया एक वाक्य का भाग हो तथा जिसमें उद्देश्य एवं विधेय सम्मलित हों,उपवाक्य कहलाता है।

उपवाक्य तीन प्रकार के होते हैं-

(I)संज्ञा उपवाक्य

(II)विशेषण उपवाक्य

(III)क्रिया विशेषण उपवाक्य

1)संज्ञा उपवाक्य- जो आश्रित उपवाक्य संज्ञा की तरह व्यवहार में लाया जाए, उसे संज्ञा उपवाक्य कहते हैं।संज्ञा उपवाक्य के आरंभ में 'कि'शब्द होता है, जैसे-

· कुछ दार्शनिक कहते हैं कि यह जगत मिथ्या है।

· माँ ने कहा दिया था कि लड़का बाज़ार गया है।

2)विशेषण उपवाक्य- जो आश्रित उपवाक्य विशेषण की तरह व्यवहार में लाया जाए, उसे विशेषण उपवाक्य कहते हैं। इसमें जो,जिसे,जैसा,जितना आदि शब्दों का प्रयोग होता है। उदाहरण-

· वह लड़का जो कल चिल्ला रहा था,आज चुप है।

· बस स्टैंड पर वह लड़का खड़ा है जो कल यहाँ आया था।

3)क्रिया विशेषण उपवाक्य- जो उपवाक्य क्रिया विशेषण की तरह व्ययहार में लाया जाए उसे क्रिया विशेषण उपवाक्य कहते हैं।इसमें प्रायः जब,जहाँ, जिधर,ज्यों, यद्यपि आदि शब्दों का प्रयोग होता है,जैसे-

· यह वही गाँव है जहाँ आग लगी थी।

· उसने मेहनत किया था इसलिए कक्षा में प्रथम आया।

<u>बहुविकल्पीय प्रश्न:-</u>

1.उसने अपने को भारतीय बताया। (रचना के आधार पर वाक्य भेद पहचानें)

(क) सरल वाक्य

(ख)संयुक्त वाक्य

(ग)मिश्र वाक्य

(घ)इनमें से कोई नहीं

2.जो गरजते हैं वे बरसते नहीं। (रचना के आधार पर वाक्य भेद पहचानें)

(क)सरल वाक्य

(ख)संयुक्त वाक्य

(ग)मिश्र वाक्य

(घ)इनमें से कोई नहीं

3.वह घर आया और खाने बैठ गया। (रचना के आधार पर वाक्य भेद पहचानें)

(क)सरल वाक्य

(ख)संयुक्त वाक्य

(ग)मिश्र वाक्य

(घ)इनमें से कोई नहीं

4.यहाँ पहले नदी थी,परन्तु अब धनी बस्ती है।**(रचना के आधार पर वाक्य भेद पहचानें)**

(क)मिश्र वाक्य

(ख)सरल वाक्य

(ग)संयुक्त वाक्य

(घ)निषेधवाचक

5.पड़ोसी ने पूछा कि तुम्हारा घर कौन सा है? (रचना के आधार पर वाक्य भेद पहचानें)

(क)सरल वाक्य

(ख)संयुक्त वाक्य

(ग)मिश्र वाक्य

(घ)इनमें से कोई नहीं

6.वह दौड़ता हुआ घर पहुँचा। (रचना के आधार पर वाक्य भेद पहचानें)

(क)सरल वाक्य

(ख)संयुक्त वाक्य

(ग)मिश्र वाक्य

(घ)प्रश्नवाचक वाक्य

7.मेरी इच्छा है कि मैं शिक्षक बनूँ। (रचना के आधार पर वाक्य भेद पहचानें)

(क)सरल वाक्य

(ख)संयुक्त वाक्य

(ग)मिश्र वाक्य

(घ)इनमें से कोई नहीं

8.सुबह से गा-गाकर वह थक गया। (रचना के आधार पर वाक्य भेद पहचानें)

(क)सरल वाक्य

(ख)संयुक्त वाक्य

(ग)मिश्र वाक्य

(घ)इनमें से कोई नहीं

9.कठोर बनो,परन्तु सहृदय बनो।इसका सरल वाक्य निम्नलिखित में से कौन है?

(क)कठोर बनो बल्कि सहृदय मत बनो।

(ख)सहृदय बनो वरना कठोर बनना होगा।

(ग)कठोर बनकर भी सहृदय बनो।

(घ)जो कठोर है वह सहृदय नहीं है।

10.राम आया,सब प्रसन्न हो गए।मिश्र वाक्य में इसका उत्तर है-

(क)जैसे ही राम आया वैसे ही सब प्रसन्न हो गए।

(ख)राम आया और सब प्रसन्न हो गए।

(ग)राम के आते ही सभी प्रसन्न हो गए।

(घ)राम के नहीं आने से सभी प्रसन्न थे।

11.ममता आई और चली गयी।वाक्य का सरल रूप चुनें-

(क)जैसे ही ममता आई वह चली गई।

(ख)ममता आई और गई।

(ग)ममता आकर चली गई।

(घ)ममता आई और तुरंत चली गई।

12.जैसे ही मालिक ने इशारा किया गाड़ी चल दी। वाक्य का भेद है-

(क)सरल वाक्य

(ख)मिश्र वाक्य

(ग)संयुक्त वाक्य

(घ)निषेधवाचक

13.मेहमान आए,सभी प्रसन्न हो गए।वाक्य का संयुक्त वाक्य में रूपांतरण है-

(क)मेहमान के आते ही सभी प्रसन्न हो गए।

(ख)जैसे ही मेहमान आए सभी प्रसन्न हो गए।

(ग)मेहमान आए और सभी प्रसन्न हो गए।

(घ)इनमें से कोई नहीं।

14. जैसे ही घटना के बारे में सुना वैसे ही सभी हताश होकर झुँझलाने लगे। सरल वाक्य में इसका रूप है-

(क) घटना के बारे में सुनकर सभी हताश होकर झुँझलाने लगे।

(ख) घटना के बारे में सुना तो सभी हताश हुए और झुँझलाने लगे।

(ग) झुँझलाने वाले लोग घटना के बारे में सुनकर हताश थे।

(घ) हताश होने के बाद लोग झुँझलाने लगे।

15.मूर्तिकार ने सुनकर जवाब दिया। संयुक्त वाक्य में इसका रूप है-

(क) जब मूर्तिकार ने सुना तब जवाब दिया।

(ख) जवाब को मूर्तिकार ने सुना।

(ग) मूर्तिकार ने सुना और जवाब दिया।

(घ) जैसे ही मूर्तिकार ने सुना वैसे ही जवाब दिया।

16.यद्यपि वह विद्वान है,फिर भी हठी है। संयुक्त वाक्य में रूप होगा-

(क) वह विद्वान है,किंतु हठी है।

(ख) हठी आदमी विद्वान नहीं होता।

(ग) विद्वान बनो पर हठी मत बनो।

(घ) विद्वान हो फिर भी हठी हो।

17.यदि वर्षा न हुई तो अकाल पड़ जाएगा। रचना के आधार पर वाक्य भेद बताएं-

(क) सरल वाक्य

(ख) संयुक्त वाक्य

(ग) मिश्र वाक्य

(घ) इनमें से कोई नहीं

18.माँ ने कहा था कि लौटते समय फल लेते आना। प्रधान उपवाक्य कौन सा है?

(क) फल लेते आना

(ख) माँ ने कहा था

(ग) लौटते समय फल लाना

(घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

19.यह वही लड़का है जो बोर्ड परीक्षा में प्रथम आया है। वाक्य में विशेषण उपवाक्य छाँटें-

(क) यह वही लड़का है

(ख) बोर्ड में प्रथम आया है

(ग) प्रथम आया है

(घ) वही लड़का है

20.जब आग लगती है तभी धुआँ उठता है। क्रिया विशेषण उपवाक्य इनमें से कौन है?

(क) तभी धुआँ उठता है

(ख) धुआँ उठता है

(ग) जब आग लगती है

(घ) कोई नहीं

वाच्य

'वाच्य' का शब्दार्थ है - बोलने योग्य या बोलने का विषय । व्याकरण में क्रिया के विधान को वाच्य कहते हैं ।

क्रिया का वह रुप ,जिससे यह जाना जाए कि क्रिया के व्यापार का मुख्य विषय कर्ता है, कर्म है या भाव है उसे वाच्य कहते हैं ।

वाच्य के प्रकार - वाच्य तीन प्रकार के होती हैं -

1- कर्तृवाच्य - जब क्रिया का मुख्य संबंध कर्ता के साथ हो ।

2- कर्मवाच्य - जब क्रिया का मुख्य संबंध कर्म के साथ हो ।

3 - भाववाच्य - जब क्रिया का भाव स्व्यं मुख्य हो ।

1 - कर्ता के अनुसार कर्तरि प्रयोग - अर्थात क्रिया , कर्ता के लिंग, पुरुष और वचन के अनुसार आती है । जैसे-

लड़का तैर रहा है । लड़के तैर रहे हैं । बत्तखें तैर रहीं हैं ।

2- कर्म के अनुसार कर्मणि प्रयोग - अर्थात क्रिया, कर्म के लिंग, पुरुष और वचन के अनुसार आती है ।जैसे-

बावर्ची ने आज खीर नहीं पकाई । सीता ने तोता पकड़ा ।

3- भावे प्रयोग - कर्ता और कर्म के लिंग, पुरुष और वचन से भिन्न जब क्रिया पुलिंग एकवचन और अन्य पुरुष में प्रयुक्त होती है । जैसे -

श्याम से **चला नहीं जाता** । लड़के से **दौड़ा जाता है** । मुझसे यह दृश्य **देखा नहीं जाता ।**

1- कर्तृवाच्य - इसमें कर्ता प्रधान होता है और क्रिया का सीधा संबंध कर्ता से होता है इसमें लिंग एवं वचन कर्ता के अनुसार होते हैं ।

राजीव नहाता है । राजीव कपड़े धोता है ।

2- कर्मवाच्य - इसमें कर्म की प्रधानता होती है और क्रिया का संबंध सीधा कर्म से होता है । क्रिया के लिंग और वचन भी कर्म के अनुसार होते हैं ।

यह पुस्तक मेरे द्वारा पढ़ी गई । मुझसे पत्र लिखा जाता है ।

3 - भाववाच्य - इसमें भाव की ही प्रधानता रहती है , कर्ता अथवा कर्म की नहीं ,इसमें अकर्मक क्रिया का ही प्रयोग होता है । इसमें क्रिया सदा एकवचन , पुलिंग और अन्य पुरुष में रहती है । इसमें कर्ता के साथ 'से' लगाया जाता है । इस वाच्य में एक से अधिक क्रिया पद होते हैं ।

राजीव से नहाया जाता है । संजय से चला नहीं जाता ।

वाच्य परिवर्तन -

कर्तृवाच्य से कर्मवाच्य बनाना -

1- पहले कर्तृवाच्य की मुख्य क्रिया को सामान्य भूतकाल में परिवर्तित कीजिए ।

2-कर्तृवाच्य के कर्ता के साथ कोई विभक्ति लगी हो तो उसे हटाकर 'से' अथवा के द्वारा लगाइए ।

3- यदि कर्म के साथ कोई विभक्ति लगी हो तो उसे हटा दीजिए |

4- साधारण क्रिया को संयुक्त क्रिया में बदलिए ।

कर्तृवाच्य	**कर्मवाच्य**
1-शिकारी शिकार करते हैं ।	शिकारियों से शिकार किया जाता है ।
2- मैंने पत्र लिखा ।	मुझसे पत्र लिखा गया ।
3- डाकू लोगों को मार डालेंगे ।	लोग डाकुओं के द्वारा मार डाले जाएंगे ।

नोट - कर्मवाच्य से कर्तृवाच्य बनाना - यदि इसी नियम को उलट दिया जाय तो कर्मवाच्य से कर्तृवाच्य हो जाएगा ।

कर्तृवाच्य से भाववाच्य बनाना - 1- कर्ता के आगे 'से' अथवा 'के द्वारा' लगाएँ - जैसे -

बच्चे - बच्चे से , लड़की - लड़की के द्वारा

2- मुख्य क्रिया को सामान्य भूतकाल की क्रिया के एकवचन में बदलकर उसके साथ 'जाना' धातु के एकवचन , पुलिंग , अन्यपुरुष का वही काल लगा दें , तो कर्तृवाच्य की क्रिया का है । जैसे -

पढ़ेंगे - पढ़ा जाएगा । खेल रही थी - खेला जा रहा था । सोते हैं - सोया जाता है ।

परिवर्तन के उदाहरण -

कर्तृवाच्य	**कर्मवाच्य**
1- मैं नहीं पढ़ता ।	मुझसे पढ़ा नहीं जाता ।
2- लोग बकते हैं ।	लोगों से बका जाता है ।
3- रमेश नहाया ।	रमेश से नहाया गया ।

बहुविकल्पीय प्रश्न

प्रश्न - नीचे लिखे वाच्य के प्रश्नों से सही विकल्प चुनकर लिखिए -

प्रश्न 1- वाच्य का प्रभाव किस पर पड़ता है-

(क) कर्ता पर

(ख) कर्म पर

(ग) क्रिया पर

(घ) भाव पर

प्रश्न 2- निम्नलिखित वाक्यों में से कर्तृवाच्य वाला वाक्य छाँटिए -

(क) मैं कविता पढ़ सकता हूँ

(ख) मीरा द्वारा कल पत्र लिखा जाएगा

(ग) बच्चों से शांत नहीं रहा जा सकता

(घ) मुझसे उठा नहीं जाता

प्रश्न 3- निम्नलिखित वाक्यों में से भाववाच्य वाला वाक्य छाँट कर लिखिए -

(क) लड़कों द्वारा खूब पढ़ा गया

(ख) मालती ने खाना खाया

(ग) महेश पतंग उडा रहा है

(घ) लड़की से सोया नहीं गया

प्रश्न 4 - निम्नलिखित वाक्यों में से कर्मवाच्य वाला वाक्य छाँट कर लिखिए -

(क) रीमा चित्र बनाती है

(ख) सुमीत द्वारा कविता पढ़ी गई

(ग) कलाकार मूर्ति बनाता है

(घ) मुझसे पढ़ा नहीं जाता

प्रश्न 5- निम्नलिखित वाक्यों में से कर्तृवाच्य वाला वाक्य छाँट कर लिखिए -

(क) लता नाचती और गीत गाती है

(ख) उमा द्वारा भजन सुनाए गए

(ग) पुजारी द्वारा मूर्ति का श्रृंगार किया जाता है

(घ) वृद्धा से भी पैदल चला गया था

प्रश्न 6- निम्नलिखित वाक्यों में से कर्मवाच्य वाला वाक्य छाँट कर लिखिए -

(क) लंगड़ा व्यक्ति पहाड़ को पार कर गया

(ख) नारी द्वारा नर को सहायता प्राप्त होती रही है

(ग) मोर नाच रहे थे

(घ) नर्तकी से नाचा जा सकता है

प्रश्न 7- निम्नलिखित वाक्यों में से कर्मवाच्य वाला वाक्य छाँट कर लिखिए -

(क) रामू बाजार चला जाएगा

(ख) नीलकंठ से नाचा गया था

(ग) नर ने नारायण की स्तुति की

(घ) मोहन द्वारा भाषण दिया गया था

प्रश्न 8- निम्नलिखित वाक्यों में से कर्तृवाच्य वाला वाक्य छाँट कर लिखिए -

(क) अच्छे बच्चों द्वारा प्रातः उठकर स्नान आदि करके पढ़ने जाया जाता है ।

(ख) हमसे चला नहीं जा सकता ।

(ग) माधुरी गणेश जी की उपासना करती है ।

(घ) आप द्वारा कथा सुनी जाएगी ।

प्रश्न 9- - निम्नलिखित वाक्यों में से कर्मवाच्य वाला वाक्य छाँट कर लिखिए -

(क) मैं यहाँ पढ़ नहीं सकता

(ख) मुझसे इतना गर्म दूध नहीं पीया जाएगा

(ग) उससे जाया नहीं जाएगा

(घ) नौकरानी कपड़े धो रही थी

प्रश्न 10 - निम्नलिखित वाक्यों में से भाववाच्य वाला वाक्य छाँट कर लिखिए -

(क) पक्षियों द्वारा आकाश में उड़ा जाता है

(ख) अनेक पक्षी झुंड बनाकर आकाश में उड़ते हैं

(ग) पहलवान द्वारा अधिक दूध पीया जाता है

(घ) हमारा राष्ट्र प्राकृतिक संसाधनों से संपन्न है

प्रश्न 11- निम्नलिखित वाक्यों में से कर्तृवाच्य वाला वाक्य छाँट कर लिखिए -

(क) खिलाड़ी द्वारा पुरस्कार प्राप्त किए जाएंगे ।

(ख) महात्मा जी द्वारा उपदेश दिया गया ।

(ग) बच्चे शोर मचा रहे हैं ।

(घ) गांधी जी के द्वारा सत्य और अहिंसा का पालन किया गया ।

प्रश्न 12- निम्नलिखित वाक्यों में से कर्मवाच्य वाला वाक्य छाँट कर लिखिए -

(क) शैलेन्द्र द्वारा पत्र लिखा जाएगा

(ख) शैलेन्द्र कहानी सुनाएगा

(ग) पक्षियों द्वारा उड़ा जा रहा था

(घ) वंदना चाय बना रही है

प्रश्न 13 - निम्नलिखित वाक्यों में से भाववाच्य वाला वाक्य छाँट कर लिखिए -

(क) रंजना अपना पाठ याद कर रही है ।

(ख) सुजाता से पैदल चला जा रहा था ।

(ग) सुरेन्द्र द्वारा नैतिकता का पाठ पढ़ाया जाता रहेगा ।

(घ) कविता ने सुभाष को डाँट लगा दी ।

प्रश्न 14 - निम्नलिखित वाक्यों में से कर्तृवाच्य वाला वाक्य छाँट कर लिखिए -

(क) बच्चा घूम रहा है

(ख) तुमसे चला नहीं जाएगा

(ग) मेरे द्वारा फल खाए गए

(घ) हमसे कहा नहीं जाएगा

प्रश्न 15 - निम्नलिखित वाक्यों में से कर्मवाच्य वाला वाक्य छाँट कर लिखिए -

(क) बच्चे से दूध पीया नहीं जाता

(ख) रोगी ने दवा पी ली थी

(ग) डॉक्टर ने परीक्षण कर लिया

(घ) रमेश से सोया नहीं जा सका

प्रश्न 16- निम्नलिखित वाक्यों में से भाववाच्य वाला वाक्य छाँट कर लिखिए -

(क) मुझसे उठा न जा सका

(ख) रोमा घर जाकर पढ़ती है

(ग) बच्चों द्वारा चित्र बनाए गए

(घ) हम पाठ याद करेंगे

प्रश्न 17 - निम्नलिखित वाक्यों में से कर्तृवाच्य वाला वाक्य छाँट कर लिखिए -

(क) फूल अपनी खुशबू बिखेरता है

(ख) बगीचे के माली दवारा सारे फूल तोड़े जाते हैं

(ग) उनसे कुछ कहा गया था

(घ) मुझसे जवाब नहीं दिया गया

प्रश्न 18 - निम्नलिखित वाक्यों में से कर्मवाच्य वाला वाक्य छाँट कर लिखिए -

(क) बच्चे रोने लगे थे

(ख) बच्चों से नहीं खेला जा सकेगा

(ग) उससे दूध नहीं पीया जा सका

(घ) हम बाजार जाएँगे

प्रश्न 19 - निम्नलिखित वाक्यों में से भाववाच्य वाला वाक्य छाँट कर लिखिए -
1

(क) मालिक ने नौकरों को पुरस्कार दिए

(ख) अधिकारी द्वारा कर्मचारी को वेतन दिया गया

(ग) मुझसे नहीं सुना जा सका

(घ) वे घर जाएँगे

प्रश्न 20 - वाच्य का शाब्दिक अर्थ क्या होता है ?

(क) कहने योग्य

(ख) जिसका अविधा शक्ति से बोध हो

(ग) बोलने का विषय

(घ) उपर्युक्त सभी

रस

किसी काव्य या साहित्य को सुनने, पढ़ने या देखने से पाठक, श्रोता या दर्शक को जिस आनंद की अनुभूति होती है, उसे रस कहते हैं | रस को साहित्य अथवा काव्य की आत्मा कहा गया है | रस के चार अंग होते हैं :-

1. स्थायी भाव
2. विभाव
3. अनुभाव
4. व्यभिचारी/संचारी भाव

	रस	भाव
1.	शृंगार	रति
2.	वीर	उत्साह
3.	करुण	शोक
4.	हास्य	हंसी
5.	रोद्र	क्रोध

6.	भयानक	भय
7.	वीभत्स	घृणा/जुगुप्सा
8.	अद्भुत	विस्मय
9.	शांत	वैराग्य/निर्वेद
10.	भक्ति	भगवदरति
11.	वात्सल्य	बालरति

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. किस रस को ' रसों का राजा ' कहते हैं?

(क) हास्य

(ख) शृंगार

(ग) वात्सल्य

(घ) करुण

2. वात्सल्य रस के प्रमुख कवि किसे माने जाते हैं?

(क) तुलसीदास

(ख)रसखान

(ग)मीराबाई

(घ) सूरदास

3. "चढ़ तुंग शैल शिखरों पर सोम पियो रे

योगियों नही विजयी सदृश जियो रे ।। "

इस में कौन -सा रस है ?

(क) शृंगार

(ख) वीर

(ग) शांत

(घ) रौद्र

4. उस काल मारे क्रोध के, तन काँपने उसका लगा।

मानों हवा के जोर से, सोता हुआ सागर जगा।"

उपरोक्त पंक्तियों में रस है -

(क) वीर

(ख) रौद्र

(ग) अद्भुत

(घ) करुण

5. 'एक ओर अजगरहि लखि, एक ओर मृगराय।
बिकल बटोही बीच ही, परयों मूरछा खाय ।।'
उपरोक्त पंक्तियों में रस है **-**

(क) शान्त

(ख) रौद्र

(ग) भयानक

(घ) अद्भुत

6. वीर रस का स्थायी भाव क्या होता हैं**?**

(क) रति

(ख) उत्साह

(ग) हास्य

(घ) क्रोध

7. वीभत्स रस का स्थायी भाव क्या है **?**

(क) क्रोध

(ख) भय

(ग) विस्मय

(घ)जुगुप्सा

8. संचारी भावो की संख्या कितनी हैं **?**

(क) 9

(ख) 33

(ग)100

(घ) 10

9. शांत रस का स्थाई भाव है**-**

(क) निर्वेद

(ख) अद्भुत

(ग) वीर

(घ) शृंगार

10. शृंगार रस का स्थाई भाव है **-**

(क) अद्भुत

(ख) रति

(ग) रौद्र

(घ) हास्य

11. सुनत लखन के बचन कठोरा , परसु सुधारि धरेऊ कर घोरा
अब जनि देउ दोसु मोहि लोगू , कटुबादी बालक बध जोगू |

प्रस्तुत पंक्तियों में कौन -सा रस है ?

(क) वीर रस

(ख) रौद्र रस

(ग) अद्भुत रस

(घ) करुण रस

12. हास्य रस का स्थायी भाव क्या होता है ?

(क) रति

(ख) उत्साह

(ग) हँसना

(घ) क्रोध

13. करुण रस का स्थायी भाव है -

(क) भय

(ख) निर्वेद

(ग) शोक

(घ) जुगुप्सा/घृणा

14. मैं सत्य कहता हूँ सखे, सुकुमार मत जानो मुझे |

यमराज से भी युद्ध में प्रस्तुत सदा मानो मुझे || इसमें कौन-सा रस है ?

(क) वीर रस

(ख) संयोग रस

(ग) शांत रस

(घ) करुण रस

15. रे नृप बालक काल बस बोलत तेहि न संभार |

धनु ही सम त्रिपुरारि |धनु विदित सकल संसार |

इस में कौन -सा रस है ?

(क) वियोग रस

(ख) रौद्र रस

(ग) संयोग रस

(घ) करुण रस

16. पायो जी मैंने राम- रतन धन पायो |

वस्तु अमोलक दी मेरे सतगुरु, करि किरपा अपणायो |

इस में कौन -सा रस है ?

(क) वात्सल्य रस

(ख) शांत रस

(ग) भक्ति रस

(घ) अद्भुत रस

17. देखी यशोदा शिशु के मुख में सकल विश्व की माया |
क्षण भर को वह बनी अचेतन हित न सकी कोमल काया ||
इसमें कौन-सा रस है ?
(क) वात्सल्य रस
(ख) शांत रस
(ग) भक्ति रस
(घ) अद्भुत रस

18. खूब लड़ी मर्दानी वो तो झाँसी वाली रानी थी।। इसमें कौन-सा रस है ?
(क) वीर रस
(ख) संयोग रस
(ग) शांत रस
(घ) भक्ति

19. हाथी जैसी देह है गैंडे जैसी खाल
तरबूजे सी खोपड़ी खरबूजे से गाल
इसमें कौन-सा रस है ?
(क) वीर
(ख) हास्य
(ग) करुण
(घ) भक्ति

20. प्रभू जी, तुम चंदन हम पानी,
जाकी अंग- अंग बास समानी
इसमें कौन- रस है
(क) करुण
(ख) वीर
(ग) भक्ति
(घ)शृंगार

पद – परिचय

पद-परिचय से तात्पर्य है - पदों का विश्लेषण | वाक्य में प्रयुक्त पदों का व्याकरणिक परिचय ही पद परिचय कहलाता है | अन्य शब्दों के साथ किसी वाक्य में प्रयुक्त संज्ञा,सर्वनाम,विशेषण,क्रिया विशेषण, सम्बन्धबोधक, समुच्चय बोधक अथवा विस्मयादिबोधक आदि शब्दों का जिस रूप में प्रयोग हुआ है ,उन्हें स्पष्ट करना ही पद परिचय है | किसी पद का परिचय देने के लिए उस शब्द अथवा पद का भेद ,उपभेद ,लिंग ,वचन ,कारक , कर्ता आदि के

सम्बन्ध का परिचय दिया जाता है |पद परिचय करते समय प्रत्येक पद को अलग -अलग करना चाहिए , पद का प्रकार , दूसरे पदों से सम्बन्ध तथा उसका कार्य बताना चाहिए |

निम्नलिखित प्रश्नो में रेखांकित पदों के सही परिचय का चयन करे।

1. मुंशी प्रेमचंद ने गोदान के रचना की।

(क) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक

(ख) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्म कारक

(ग) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक

(घ) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्म कारक

2. रेखा नित्य दौड़ने जाती है ।

(क) गुणवाचक विशेषण, एकवचन, पुल्लिंग, 'दौड़ने जाता है' क्रिया की विशेषता

(ख) रीतिवाचक क्रिया विशेषण, एकवचन, पुल्लिंग, 'दौड़ने जाता है' क्रिया की विशेषता

(ग) अव्यय, स्थानवाचक क्रिया विशेषण, 'दौड़ने जाती है' क्रिया की विशेषता

(घ) अव्यय, कालवाचक क्रिया विशेषण, 'दौड़ने जाती है' क्रिया की विशेषता

3. बागो में फूल खिलते हैं।

(क) सकर्मक क्रिया, बहुवचन, पुल्लिंग, वर्तमान काल, कर्तृ वाच्य

(ख)अकर्मक क्रिया, बहुवचन, पुल्लिंग, वर्तमान काल, कर्तृ वाच्य

(ग) सकर्मक क्रिया, एकवचन, पुल्लिंग, वर्तमान काल, कर्तृ वाच्य

(घ) अकर्मक क्रिया, एकवचन, स्त्रीलिंग, वर्तमान काल, कर्तृ वाच्य

4. 'लाल गुलाब देखकर मन खुश हो गया।'-रेखांकित पद का परिचय है-

(क) संख्यावाचक विशेषण, बहुवचन, पुल्लिंग, 'गुलाब विशेष्य का विशेष

(ख) गुणवाचक विशेषण, बहुवचन, पुल्लिंग, 'गुलाब विशेष्य का विशेष

(ग) परिमाणवाचक विशेषण, एकवचन, पुल्लिंग, 'गुलाब विशेष्य का विशेष

(घ) गुणवाचक विशेषण, बहुवचन, स्त्रीलिंग, 'गुलाब विशेष्य का विशेष

5. राधिका ने <u>आपको</u> बुलाया है।

(क) प्रथम पुरुषवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग, एकवचन, कर्म कारक

(ख) निजवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग/स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता कारक

(ग) मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम, स्त्रीलिंग/पुल्लिंग, एकवचन, कर्म कारक

(घ) उत्तम पुरुषवाचक सर्वनाम, स्त्रीलिंग/पुल्लिंग, एकवचन, कर्म कारक

6. <u>रिया</u> पटना जा रही है।

(क) जातिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्म कारक

(ख) व्यक्तिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता कारक

(ग)भाववाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, करण कारक

(घ) भाववाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्म कार

7. राखी से मैं कल यहीं <u>मिला</u> था।

(क) क्रिया, अकर्मक, पूर्ण भूतकाल, पुल्लिंग एकवचन, कर्तृवाच्य

(ख) क्रिया, सकर्मक, पूर्ण भविष्यत काल, पुल्लिंग एकवचन, कर्मवाच्य

(ग) क्रिया, अकर्मक, वर्तमान काल, स्त्रीलिंग एकवचन, कर्म वाच्य

(घ) क्रिया, अकर्मक, भूतकाल, पुल्लिंग, बहुवचन, भाववाच्य

8. राकेश <u>आठवीं</u> कक्षा में पढ़ता है।

(क) विशेषण, संख्यावाचक, आवृत्तिसूचक, स्त्रीलिंग, एकवचन, कक्षा' विशेष्य

(ख) विशेषण, परिमाणवाचक, क्रमसूचक, स्त्रीलिंग, एकवचन, कक्षा' विशेष्य

(ग) विशेषण, संख्यावाचक, क्रमसूचक, स्त्रीलिंग, एकवचन, कक्षा' विशेष्य

(घ) विशेषण, निश्चयवाचक, क्रमसूचक, स्त्रीलिंग, एकवचन, 'कक्षा' विशेष्य

9. बिल्ली गाड़ी <u>के नीचे</u> बैठी हैं।

(क) अव्यय, संबंधबोधक, गाड़ी से संबंध

(ख)अव्यय, योजक

(ग) अव्यय, योजक, बिल्ली और गाड़ी को जोड़ रहा है

(घ) अव्यय, क्रिया विशेषण

10. अभिषेक किसे देख रहा है**?**

(क) सर्वनाम, स्त्रीलिंग, बहुवचन, कर्म कारक

(ख)) सर्वनाम, पुल्लिंग, एकवचन, करण कारक

(ग)सर्वनाम, पुल्लिंग, प्रश्नवाचक, कर्ताकारक

(घ) सर्वनाम, प्रश्नवाचक, एकवचन, कर्म कारक

11. घोड़ा तेज दौड़ रहा है।

(क) अव्यय, कालवाचक क्रियाविशेषण

(ख) अव्यय, रीतिवाचक क्रियाविशेषण, 'दौड़ना' क्रिया की विशेषता

(ग) अव्यय, स्थानवाचक क्रियाविशेषण, 'दौड़ना' क्रिया की विशेषता

(घ) इनमें से कोई नहीं

12. गरीब मज़दूर बहुत परिश्रम कर रहा है।

(क) विशेषण, गुणवाचक, पुल्लिंग, एकवचन, विशेष्य-मजदूर

(ख) संज्ञा, संख्यावाचक, पुल्लिंग, बहुवचन

(ग) विशेषण, , जातिवाचक, पुल्लिंग, एकवचन

(घ)इनमें से कोई नहीं

13. कल मेरे पापा दिल्ली गए।

(क) क्रिया, सकर्मक, एकवचन, पुल्लिंग, भूतकाल, कर्मवाच्य

(ख) क्रिया, सकर्मक, बहुवचन, स्त्रीलिंग, वर्तमानकाल, कर्तृवाच्य

(ग) क्रिया, अकर्मक, बहुवचन, पुल्लिंग, भविष्यत्काल , कर्तृवाच्य

(घ) क्रिया, अकर्मक, एकवचन, पुल्लिंग, भूतकाल, कर्तृवाच्य

14. <u>दीपक</u> बाजार जा रहा है।

(क) संज्ञा, जातिवाचक, बहुवचन, पुल्लिंग, समंध कारक, 'जा रहा है' क्रिया का कर्ता

(ख) संज्ञा, व्यक्तिवाचक, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक, 'जा रहा है' क्रिया का कर्ता

(ग) संज्ञा, जातिवाचक, एकवचन, पुल्लिंग, कर्म कारक

(घ) इनमें से कोई नही

15. <u>वाह</u>**!** कितना सुन्दर मोर है।

(क) अव्यय, विस्मयादिबोधक, शोक सूचक

(ख) अव्यय, संबंध बोधक, शोक सूचक

(ग) क्रिया विशेषण, काल वाचक, मोर की विशेषता बता रहा

(घ) अव्यय, विस्मयादिबोधक, हर्ष सूचक

16. हमें राष्ट्रभक्तो का <u>सम्मान</u> करना चाहिए।

(क) जातिवाचक संज्ञा, एक वचन, स्त्रीलिंग

(ख) व्यक्तिवाचक संज्ञा, बहुवचन, पुल्लिंग

(ग) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एक वचन, स्त्रीलिंग

(घ) संज्ञा, भाववाचक, एक वचन, पुल्लिंग

17. <u>आजकल</u> ध्वनि प्रदूषण बहुत तेजी से फैल रहा है।

(क)अव्यय, क्रिया विशेषण, कालवाचक

(ख) अव्यय, क्रिया विशेषण, रीतिवाचक

(ग) अव्यय, क्रिया विशेषण, कालवाचक

(घ) इनमें से कोई नहीं

18. गिलास में <u>थोड़ा</u> जूस है।

(क)सर्वनाम, अनिश्चयवाचक, बहुवचन, पुल्लिंग

(ख) विशेषण, अनिश्चित परिमाण वाचक, पुल्लिंग, विशेष्य-दूध

(ग) सर्वनाम, निश्चयवाचक, एक वचन, पुस्त्रीलिंग

(घ) सर्वनाम, अनिश्चयवाचक, बहुवचन, स्त्रीलिंग

19. उसने <u>मेहनत</u> से सब कुछ हासिल किया।

(क) भाववाचक संज्ञा, बहुवचन, स्त्रीलिंग, संबंध कारक

(ख) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एक वचन, पुल्लिंग, कर्म कारक

(ग) जातिवाचक संज्ञा, बहुवचन, पुल्लिंग, कर्म कारक

(घ) भाववाचक संज्ञा, एक वचन, स्त्रीलिंग, करण कारक

20. पद किसे कहते हैं **?**

(क) वर्गों के समूह को

(ख) शब्दों के समूह को

(ग)वाक्य में प्रयुक्त शब्द को

(घ)शब्दों के परिचय को

21. <u>राम</u> पुस्तक पढ़ता है।

(क) जातिवाचक संज्ञा, बहुवचन, पुल्लिंग, कर्म कारक

(ख) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक

(ग) भाववाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्म कारक

(घ) व्यक्तिवाचक संज्ञा, बहुवचन, पुल्लिंग, कारण कारक।

22. '<u>आज</u> हमारी परीक्षा होनी है।

(क) कालवाचक क्रियाविशेषण

(ख) स्थानवाचक क्रियाविशेषण

(ग) परिमाणवाचक क्रियाविशेषण

(घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं।

23. <u>वे</u> बहुत अच्छे लोग है

(क) निजवाचक सर्वनाम, बहुवचन,स्त्रीलिंग, कर्ता कारक।

(ख) निश्चयवाचक सर्वनाम, एकवचन, पुल्लिंग, कर्म कारक

(ग) अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम, एकवचन, पुल्लिंग/स्त्रीलिंग, कर्ता कारक

(घ) अनिश्चयवाचक सर्वनाम, बहुवचन, पुल्लिंग स्त्रीलिंग, करण कारक

24. रामू बाजार जाओ।

(क) सकर्मक क्रिया, वर्तमान काल, स्त्रीलिंग, एकवचन

(ख)अकर्मक क्रिया, वर्तमान काल, पुल्लिंग, एकवचन,

(ग) सकर्मक क्रिया, भूत काल, स्त्रीलिंग, बहुवचन

(घ) इनमें से कोई नहीं

25. राधा अच्छा गाना गाती है।

(क) व्यक्तिवाचक संज्ञा स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता कारक

(ख) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, कर्म कारक

(ग) भाववाचक संजा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता कारक

(घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं।

नेताजी का चश्मा

I. निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर दो-

(1) नेता जी की मूर्ति पर सरकंडे का चश्मा किसने लगाया होगा**?**

(क) पान वाले ने

(ख) लेखक ने

(ग) हालदार ने

(घ) किसी बच्चे ने

(2) किसे देखकर हालदार के चेहरे पर कौतुक भरी मुस्कान फैल गई**?**

(क) पान वाले को

(ख) बच्चे को

(ग) मूर्ति के चेहरे को

(घ) इनमें से कोई नहीं

(3) नेताजी की बगैर चश्मे वाली मूर्ति किसे बुरी लगती थी**?**

(क)हालदार को

(ख) कसबे वाले को

(ग) पान वाले को

(घ) चश्मे वाले को

(4) चश्मे वाले**(** कैप्टन **)**के मन में है देशभक्तों के प्रति कैसी भावना थी**?**

(क) आदर की

(ख) घमंड की

(ग) घृणा की

(घ) ईर्ष्या की

(5) नेताजी की प्रतिमा किस वर्दी मे थी **?**

(क) नेता की वर्दी में

(ख) फौजी वर्दी में

(ग) अंग्रेजों जैसी वर्दी में

(घ) पुलिस की वर्दी में

(6) हालदार साहब क्या देख कर दुखी हुए थे**?**

(क) देश को

(ख) देशभक्तों को

(ग) देशभक्तों के प्रति अनादर भाव रखने वालों को

(घ) देशद्रोही को

(7) नेताजी चश्मा पाठ का मूल भाव क्या है**?**

(क) देश भक्ति

(ख) सामाजिक भाव

(ग) राजनीतिक जागृति

(घ) मूर्ति कला की प्रशंसा

(8) नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा किसने बनाई थी**?**

(क) कस्बे के नेता ने

(ख) कस्बे के मूर्तिकार ने

(ग) स्कूल के ड्राइंग मास्टर ने

(घ) स्कूल के हेडमास्टर ने

(9) ड्राइंग मास्टर का नाम क्या था**?**

(क) मोतीलाल

(ख) किशन लाल

(ग) प्रेम लाल

(घ) सोहनलाल

(10) कस्बे में कितने स्कूल थे**?**

(क) पाँच

(ख) चार

(ग) तीन

(घ) दो

(11) सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा किस वस्तु की बनी थी**?**

(क) लोहे की

(ख) संगमरमर की

(ग) मिट्टी की

(घ) कांसे की

(12) ‘ तुम मुझे खून दो” नेता जी का यह नारा हमें क्या प्रेरणा देता है**?**

(क) तरक्की करने की

(ख) खून दान देने की

(ग) देश के लिए बलिदान देने की

(घ) देश से प्रेम करने की

(13) हालदार किसे देखकर अवाक रह गए**?**

(क) मूर्ति को

(ख) कस्बे को

(ग) चश्मे को

(घ) चश्मे वाले कैप्टन को

(14) वह लंगड़ा क्या जाएगा फौज में! पागल है पागल! यह शब्द किसने कहे हैं?

(क) पान वाले ने

(ख) हालदार ने

(ग) ड्राइवर ने

(घ) नगर पालिका के अध्यक्ष ने

(15) नेताजी चश्मा पाठ के लेखक का नाम क्या है?

(क) रामवृक्ष बेनीपुरी

(ख) मन्नू भंडारी

(ग) स्वयं प्रकाश

(घ) यशपाल

(16) सुभाष चंद्र बोस नाम के साथ क्या जुड़ता है ?

(क) महात्मा

(ख) नेताजी

(ग) आजाद

(घ) तिलक

(17) अंतिम बार हालदार साहब ने नेता जी की मूर्ति पर कौन सा चश्मा देखा था?

(क) सोने का चश्मा

(ख) लोहे का चश्मा

(ग) प्लास्टिक का चश्मा

(घ) सरकंडे का चश्मा

(18) नेताजी के चश्मा पाठ में पान वाले के चरित्र की प्रमुख विशेषता क्या दिखाई देती है?

(क) धोखेबाज है

(ख) चालाक है

(ग) बातों का धनी है

(घ) गरीब और ईमानदार है

(19) मूर्ति की ऊंचाई कितनी थी**?**

(क) दो फुट

(ख) चार फुट

(ग) आठ फुट

(घ) पाँच फुट

(20) सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा में क्या कमी रह गई थी**?**

(क) टोपी नहीं थी

(ख) चश्मा नहीं था

(ग) प्रतिमा की ऊंचाई कम थी

(घ) रंग उचित नहीं था

II. नीचे दिए गए पठित पद्यांश को पढ़ते हुए बहुविकल्पीय प्रश्नों का उत्तर दीजिए **-**

जैसा कि कहा जा चुका है, मूर्ति संगमरमर की थी। टोपी की नोक से कोट के दूसरे बटन तक कोई 2 फुट ऊंची। जिसे कहते हैं बस्ट। और सुंदर थी। नेताजी सुंदर लग रहे थे। कुछ कुछ मासूम और कमसिन। फौजी वर्दी में। मूर्ति को देखते ही "दिल्ली चलो "और " तुम मुझे खून दो "---- वगैरह याद आने लगते थे। इस दृष्टि से यह सफल और सराहनीय प्रयास था । केवल एक चीज की कसर थी जो देखते ही खटकती थी। नेताजी की आंखों पर चश्मा नहीं था। यानी चश्मा तो था, लेकिन संगमरमर का नहीं था ।

(1) मूर्ति किस चीज से बनी थी**?**

(क) संगमरमर

(ख) लकड़ी

(ग) ग्रेनाइट

(घ) लोहा

(2) टोपी की नोक से कोट के दूसरे बटन तक की ऊंचाई थी **?**

(क) 4 फीट

(ख) 2 फीट

(ग) 5 फीट

(घ) 10 फीट

(3) बस्ट किसे कहते हैं**?**

(क) किसी मूर्ति के सर से सीने तक के भाग को

(ख) मूर्ति के सर वाले भाग को

(ग) आदम कद के प्रतिमा को

(घ) उपरोक्त कोई नहीं

(4) मूर्ति किसकी थी**?**

(क) शास्त्री जी की

(ख) नेहरू जी की

(ग) नेताजी की

(घ) मोदी जी की

(5) मूर्ति में क्या कमी थी**?**

(क) मूर्ति सुंदर नहीं थी

(ख) मूर्ति पर चश्मा नहीं था

(ग) मूर्ति के कोट में बटन नहीं था

(घ) उपरोक्त सभी

बालगोबिन भगत

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. "बालगोबिन भगत" किस विधा का पाठ है ?

(क) नाटक

(ख) यात्रावृतांत

(ग) कहानी

(घ) रेखाचित्र

2. "बालगोबिन भगत" शीर्षक पाठ के लेखक का नाम क्या है ?

(क) यशपाल

(ख) सर्वेशवर दयाल सक्सेना

(ग) रामवृक्ष बेनीपुरी

(घ) प्रेमचंद

3. बालगोबिन भगत की आयु कितनी थी ?

(क) पचास वर्ष

(ख) तीस वर्ष

(ग) साठ वर्ष से अधिक

(घ) चालीस वर्ष

4. बालगोबिन भगत की टोपी कैसी थी ?

(क) सूरदास जैसी

(ख) जैन मुनियों जैसी

(ग) कबीर पंथियों जैसी

(घ) गांधी की टोपी जैसी

5. बालगोबिन कबीर को क्या मानते थे ?

(क) साहब

(ख) भाई

(ग) शिष्य

(घ) मित्र

6. बालगोबिन भगत के गीतों मैं कौन सा भाव व्यक्त होता है ?

(क) विरह का भाव

(ख) वीरता का भाव

(ग) वैराग्य का भाव

(घ) ईश्वर भक्ति का भाव

7. "तेरी गठरी में लागा चोर मुसाफिर जाग जरा|" इस पंक्ति में मुसाफिर किसे कहा गया है ?

(क) यात्री

(ख) मनुष्य को

(ग) पथिक को

(घ) बालक को

8 . लेखक ने लोही किसे कहा है ?

(क) ओढ़ने वाले कपड़े को

(ख) तारों भरी रात को

(ग) प्रात: काल की लालिमा को

(घ) चाँदनी रात को

9. लेखक ने बालगोबिन के माध्यम से किस प्रकार के चरित्र को उद्घाटित किया है ?

(क) ऐसे विलक्षण चरित्र का उद्घाटन किया है जो मनुष्यता ,लोक संस्कृति और सामूहिक चेतना का प्रतीक है |

(ख) ऐसे विलक्षण चरित्र का उद्घाटन किया है जो राष्ट्रीय एकता ,अखंड़ता का प्रतीक है |

(ग) ऐसे विलक्षण चरित्र का उद्घाटन किया है जो दानी त्यागी परोपकारी परंतु लोभी का प्रतीक है |

(घ) ऐसे विलक्षण चरित्र का उद्घाटन किया है जो साधु होने के साथ साथ दानी, त्यागी ,जिज्ञासु एवं आशावादी का प्रतीक है |

10. बालगोबिन भगत पाठ में ऐसा कौन सा पात्र है जिसकी चर्चा पाठ में नहीं की गई ?

(क) बालगोबिन भगत की पत्नी

(ख) बलगोबिन भगत की पतोहू

(ग) बालगोबिन भगत का बेटा

(घ) स्वयं बलगोबिन भगत

11. "बालगोबिन भगत" पाठ में कहाँ के जीवन की सजीव झाँकी हमें देखने को मिलती है ?

(क) शहरी जीवन

(ख) गृहस्थ जीवन

(ग) सन्यासी जीवन

(घ) ग्रामीण जीवन

12. बेटे की मृत्यु पर बालगोबिन भगत अपनी पुत्रवधू को रोने की बजाय क्या करने को कहते है ?

(क) बेटे की मृत्यु पर बालगोबिन भगत अपनी पुत्रवधू को रोने की बजाय उत्सव मनाने को कहता है |

(ख) बेटे की मृत्यु पर बालगोबिन भगत अपनी पुत्रवधू को रोने की बजाय चुप-चाप बैठने को कहता है |

(ग) बेटे की मृत्यु पर बालगोबिन भगत अपनी पुत्रवधू को रोने की बजाय मारतम बनाने को कहता है|

(घ) बेटे की मृत्यु पर बालगोबिन भगत अपनी पुत्रवधू को रोने की बजाय सबका स्वागत करने को कहता है |

13. बालगोबिन भगत पाठ को पढ़कर आप जीवन के किन मूल्यों को आत्मसात कर सकेंगे ?

(क) इस अध्याय को पढ़कर विद्यार्थी आजाद खयाल विद्रोही ,संघर्षशील जैसे जीवन मूल्यों को आत्मसात कर सकेंगे |

(ख) इस अध्याय को पढ़कर विद्यार्थी लोक संस्कृति ,सामूहिक चेतना , मनुष्यता जैसे जीवन मूल्यों को आत्मसात कर सकेंगे |

(ग) इस अध्याय को पढ़कर विद्यार्थी स्वतंत्र ,हिंसक ,सामूहिक चेतना जैसे जीवन मूल्यों को आत्मसात कर सकेंगे |

(घ) इस अध्याय को पढ़कर विद्यार्थी लोक संस्कृति ,सामूहिक चेतना , मनुष्यता ,भक्ति भावना जैसे जीवन मूल्यों को आत्मसात कर सकेंगे |

उपर्युक्त विकल्पों में से कौन से विकल्प सही है -

(क) (क) और (घ)

(ख) (ख) और (घ)

(ग) (ख) और (ग)

(घ) (क) और (ख)

14. "बालगोबिन भगत अपनी पतोहू की दूसरी शादी कराना चाहते है|"इस विचार से उनकी कौन सी मानसिकता का पता चलता है ?

(क) विकृत मानसिकता

(ख) स्वार्थ से पोषित मानसिकता

(ग) सकारात्मक मानसिकता

(घ) नकारात्मक मानसिकता

15. आप किन आधारों पर यह सुनिश्चित करेंगें की अमुक व्यक्ति साधु है ?

(क) साधु की पहचान उसके पहनावे से हो जाती है |

(ख) यदि व्यक्ति का आचरण सत्य ,अहिंसा ,अपरिग्रह ,त्याग ,लोक कल्याण आदि से युक्त है तो वह साधु है |

(ग) साधु की पहचान उसके कर्म से ,उसके रूप-रंग से ,माथे पर चमकता हुआ रमानंदी चंदन लगाने से होता है |

(घ) कबीर पंथी की सी कनफटी टोपी पहनकर, काली कमली ऊपर ओढ़कर, गले में तुलसी की जड़ों की माला पहनने से साधु की पहचान हो सकती है |

16. बालगोबिन भगत अपनी जीविका कैसे चलाते थे ?

(क) व्यापार करके

(ख) भीख माँगकार

(ग) मंदिर से जो मिलता था ,उसे खा लेते थे |

(घ) खेती -बाड़ी करके |

17. बालगोबिन भगत के बेटे की मुखाग्नि किसने दी ?

(क) बालगोबिन भगत ने

(ख) गाँव वालों ने

(ग) उनकी पतोहू ने

(घ) पतोहू के भाई ने

18. पतोहू के उसके भाई के घर न जाने पर बालगोबिन भगत ने क्या कहा ?

(क) यहाँ अब तुम्हारा है ही कौन ?

(ख) वे ही घर को छोड़कर चले जाएंगे |

(ग) दुनिया वाले न जाने क्या-क्या कहेंगे |

(घ) यहाँ से जल्दी चली जाओ |

19. बालगोबिन भगत द्वारा अपनी पुत्रवधू से बेटे की चिता को मुखाग्नि दिलवाना क्या सिद्ध करता है ?

(क) वे रूढ़ियों को तोड़ना चाहते थे |

(ख) सबके सामने भला बनना चाहते थे |

(ग) गाँव वालों का आदेश था |

(घ) यही आचरण है |

20. बालगोबिन भगत की प्रभातियाँ कब शुरू हो जाती थी ?

(क) आषाढ़ माह में

(ख) फागुन माह में

(ग) कार्तिक माह में

(घ) बैसाख माह में

गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

बालगोबिन भगत की संगीत साधना का चरम उत्कर्ष उस दिन देखा गया जिस दिन उसका बेटा मरा |इकलौता बेटा था वह ! कुछ सुस्त और बोधा सा था , किन्तु इसी कारण बालगोबिन भगत उसे और भी मानते |उनकी समझ में ऐसे आदमियों पर ही ज्यादा नजर रखनी चाहिए या प्यार करना चाहिए ,क्योंकि ये निगरानी और मोहब्बत के ज्यादा हकदार होते हैं |बड़ी साध से उसकी शादी कराई थी , पतोहू बड़ी ही सुभग और सुशील मिली थी | घर की पूरी प्रबंधिका बनकर भगत को बहुत कुछ दुनियादारी से निवृत कर दिया था उसने |उनका बेटा बीमार है ,इसकी खबर रखने की लोगों को कहाँ फुरसत !किन्तु मौत तो अपनी ओर सबका ध्यान खींच कर ही रहती हैं |

बेटे के क्रियाक्रम में टूल नहीं किया ; पतोहू से ही आग दिलाई उसकी |किन्तु ज्यों ही श्राद्ध की अवधि पूरी हो गई ,पतोहू के भाई को बुलाकर उसके साथ कर दिया | यह आदेश देते हुए की इसकी दूसरी शादी कर देना |इधर पतोहू रो-रोकर कहती -मैं चली जाऊँगी तो बुढ़ापे में कौन आपके लिए भोजन बनाएगा ,बीमार पड़े तो कौन एक चुल्लू पानी भी देगा ? मैं पैर पड़ती हूँ ,मुझे अपने चरणों से अलग नहीं कीजिए |

10. बालगोबिन भगत की संगीत साधना का उत्कर्ष किस दिन देखा गया ?

(क) जिस दिन उसके पुत्र की मृत्यु हो गई थी |

(ख) जिस दिन उसका पुत्र बीमार था

(ग) जिस दिन उसके पुत्र का श्राद्ध था

(घ) जिस दिन उसके पतोहू का विवाह था

11. बालगोबिन भगत द्वारा अपने बेटे से अधिक प्यार करने का कारण था |

(क) उनका बेटा बहुत चलाक था

(ख) उनका बेटा सुस्त और कम बुद्धि वाला था

(ग) उनका बेटा बहुत अहंकारी था

(घ) उनका बेटा बहुत होशियार था

12. गद्यांश के आधार पर बताइए की बालगोबिन भगत की पतोहू कुशल प्रबंधिका कैसे थी ?

(क) सुस्त और आलसी प्रवृति की थी

(ख) वह दुनिया से काफी हद तक निवृत थी

(ग) वह केवल अपना कार्य करती थी

(घ) वह सभी कार्यों में निपुण थी

13. श्राद्ध की अवधि पूरी होने पर बालगोबिन भगत ने पतोहू के साथ कैसा व्यवहार किया ?

(क) घर से जाने को कहा

(ख) अपनी सेवा करने को कहा

(ग) दूसरा विवाह करने का आदेश दिया

(घ) उसके घर पर ही रहने को कहा

14. बालगोबिन भगत की पतोहू ने भाई के साथ उनके घर से न जाने के लिए क्या प्रार्थना की थी ?

(क) उनके साथ रहकर उनकी सेवा करने की

(ख) वहाँ से चले जाने की

(ग) दूसरा विवाह करने की

(घ) घर छोड़ कर चले जाने की

सूरदास के पद

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. गुड़ से लिपटी चींटी की तुलना किसके लिए की गई है ?

(क) कृष्ण के लिए

(ख) उधव के लिए

(ग) गोपियों के लिए

(घ) सूरदासके लिए

2. किस स्थान पर जाने के बाद कृष्ण ने उधव से गोपियो के लिए संदेश भेजा था ?

(क) दिल्ली

(ख) मथुरा

(ग) ब्रज

(घ) आगरा

3. उधव किसकी संगति मे रहकर भी प्रेम से अछूते रहे हैं ?

(क) कृष्ण की

(ख) गोपियो की

(ग) मित्र की

(घ) इनमे से कोई नहीं

4. बड़भागी शब्द का क्या अर्थ है?

(क) भाग्यवान

(ख) भाग्यहीन

(ग) बेसहारा

(घ) कोई नहीं

5. उधव के योग संदेश का गोपियों पर कैसा प्रभाव पड़ा **?**

(क) बिरहाग्नि में पानी के समान

(ख) शहद के समान

(ग) भूख में घी के समान

(घ) बिरहाग्नि में घी के समान

6. सूरदास के गुरु कौन थे **?**

(क) रामदास

(ख) बल्लभाचर्या

(ग) तुलसीदास

(घ) शंकराचार्य

7.कड़वी ककड़ी के समान कटु किसे बताया गया है **?**

(क) रोग

(ख) भोग

(ग) योग

(घ) चोट

8. "सूरदास के पद"पाठ में भ्रमर के माध्यम से किसके ऊपर व्यग्य किया गया है ?

(क) नंद के ऊप

(ख) उधव के ऊपर

(ग) यशोदा के ऊपर

(घ) कृष्ण के ऊपर

9. प्रजा को अन्याय से बचाने के लिए कौन अपना धर्म निभाता है **?**

(क) शिक्षक

(ख) प्राचार्य

(ग) विद्यार्थी

(घ) राजा

10. गोपियों ने सौभाग्यशाली किसे कहा है **?**

(क) राजा को

(ख) प्रजा को

(ग) पुलिस को

(घ) उद्धव को

11. गोपियों को कृष्ण का व्यवहार कैसा प्रतीत होता है **?**

(क) उदार

(ख) छलपूर्ण

(ग) निष्ठुर

(घ) इनमें से कोई नहीं

12. गोपियाँ स्वयं को क्या समझती हैं **?**

(क) अबला

(ख) डरपोक

(ग) साहसी

(घ) निर्बल

13. ब्रजभाषा के शिरोमणि किसे कहा गया है **?**

(क) तुलसीदास

(ख) महादेवी वर्मा

(ग) सूरदास

(घ) जयशंकर प्रसाद

14. गोपियों ने उद्धव के व्यवहार की तुलना किस से की हैं**?**

(क) नीम का पत्ते

(ख) कमल का पत्ते

(ग) केले के पत्ते

(घ) आम के पत्ते

15. गोपियों को योग की बात किसके समान कटु लगती है **?**

(क) आम के समान

(ख)जामुन के समान

(ग) कड़वी ककड़ी के समान

(घ) खीरे के समान

16. उद्धव ने किस नदी में अपने पैर को नहीं डुबोया था **?**

(क) गंगा नदी

(ख) प्रीति-नदी

(ग) यमुना नदी

(घ) मूसी नदी

17. किसके मन की प्रेम-भावना मन में रह गई **?**

(क) यशोदा के मन की

(ख) कृष्ण के मन की

(ग) गोपियों के मन की

(घ) नंद के मन की

18. गोपियों ने उद्धव से किस मर्यादा की बात कही है **?**

(क) प्रेम की मर्यादा

(ख) सुख की मर्यादा

(ग) दुख की मर्यादा

(घ) सत्य की मर्यादा

19. भ्रमरगीत कहाँ से लिया गया है **?**

(क) सूर सारावली से

(ख) साहित्य लहरी से

(ग) सूरसागर से

(घ) उपर्युक्त मे से कोई नहीं

20. ब्रज भाषा में लिखा गया पद किस कवि से सम्बंधित है **?**

(क) तुलसीदास

(ख) देव

(ग) जयशंकर प्रसाद

(घ) सूरदास

निम्नलिखित काव्यांश कों पढ़कर नीचे दिए गए बहुविकल्पी प्रश्नों के सही उत्तर छाँटिए -

हरि हैं राजनीति पढ़ी आए |

समुझी बात कहत मधुकर के, समाचार सब पाए |

इक अति चतुर हुते पहिलैं ही, अब गुरु ग्रन्थ पढ़ाए |

बढ़ी बुद्धि जानी जो उनकी, जोग- सँदेस पठाए |

ऊधौ भले लोग आगे के, पर हित डोलत धाए|

अब अपनै मन फेर पाइहैं, चलत जो हुते चुराए |

ते क्यौ अनीति करैं आपुन, जे और अनीति छुड़ाए |

राज धरम तौ यहै 'सूर', जो प्रजा न जाहिं सताए |

प्रश्न -

21. गोपियों के अनुसार राजनीति कौन पढ़ आए हैं **?**

(क) उद्धव

(ख) श्री कृष्ण

(ग) ब्रज के लोग

(घ) मथुरा के लोग

22. गोपियों के अनुसार पहले के लोग भले क्यों थे **?**

(क) वे परोपकारी थे

(ख) उनमें संवेदना नहीं थी

(ग) उन्हें योग - सन्देश से मतलब नहीं था

(घ) उनसे किसी कों कष्ट नहीं था

23. सच्चा राजधर्म क्या है **?**

(क) प्रजा के साथ अन्याय करना

(ख) प्रजा को सताया न जाना

(ग) प्रजा के हित का ध्यान न रखना

(घ) प्रजा की रक्षा न करना

24. 'गुरु ग्रन्थ' किसने पढ़ लिया है **?**

(क) उद्धव ने

(ख) गोपियों ने

(ग) मथुरा के लोगों ने

(घ) श्री कृष्ण ने

25. 'हरि हैं राजनीति पढ़ी आए' पद में राजनीति से कृष्ण की किस नीति की ओर गोपियों ने व्यंग्य किया है **?**

(क) कृष्ण की वादा करने और उसे पूरा न करने से सम्बंधित नीति

(ख) कृष्ण द्वारा उद्धव को वृन्दावन भेजने से सम्बंधित नीति

(ग) उद्धव द्वारा योग सिखाने की राजनीति से सम्बंधित नीति

(घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

राम-लक्ष्मण-परशुराम-संवाद

तुलसीदास

पठित काव्यांश – 1

लखन कहा हसि हमरे जाना। सुनहु देव सब धनुष समाना।।
का छति लाभु जून धनु तोरे। राम नयन के भोरे।।
छुअत टूट रघुपतिहु न दोसू। मुनि बिनु काज करिअ कत रोसू।।
बोले चितै परसु की ओरा। रे सठ सुनेहि सुभाउ न मोरा।।
बालकु बोलि बधौं नहि तोही। केवल मुनि जड़ जानहि मोही।।
बाल ब्रह्मचारी अति कोही। बिस्वबिदित क्षत्रियकुल द्रोही।।
भुजबल भूमि भूप बिनु कीन्ही। बिपुल बार महिदेवन्ह दीन्ही।।
सहसबाहुभुज छेदनिहारा। परसु बिलोकु महीपकुमारा।।
मातु पितहि जनि सोचबस करसि महीसकिसोर।
गर्भन्ह के अर्भक दलन परसु मोर अति घोर।।

प्रश्न

1. लक्ष्मण ने परशुराम से हंसकर क्या कहा?

(क) सभी धनुष छोटे ही हैं

(ख) सभी धनुष एक समान नहीं हैं

(ग) सभी धनुष बड़े ही हैं

(घ) सभी धनुष एक समान हैं

2. परशुराम का कौन-सा कथन सही नहीं है-

(क) मैं बाल ब्रहमचारी और अति क्रोधी हूँ

(ख) मैंने इन्हीं भुजाओं के बल पर इस पृथ्वी को राजाओं से रहित कर दिया

(ग) मैंने अपनी भुजाओं के बल पर संसार का नाश किया था

(घ) मैंने सहस्त्रबाहु की भुजाओं को अपने फरसे से काट डाला था

3. शिव धनुष के टूटने में रघुपति का दोष नहीं है। **-** यह किसने कहा**?**

(क) जनक ने

(ख) विश्वामित्र ने

(ग) लक्ष्मण

(घ) सभासदों ने

4. परशुराम ने लक्ष्मण के व्यवहार से कुपित होकर क्या कहा**?**

(क) बालक समझकर तुम्हें नहीं मार रहा हूँ

(ख) मुझे तुमसे ऐसे व्यवहार की उम्मीद नहीं थी

(ग) तुम जैसे बालक मैंने बहुत देखें हैं

(घ) उपरोक्त सभी

5. 'अर्भक' का अर्थ है**-**

(क) धनुष

(ख) बाण

(ग) आदमी

(घ) शिशु

6. लक्ष्मण के कथनों में कौन**-**सा भाव प्रकट हुआ है**?**

(क) क्रोध का भाव

(ख) व्यंग्य का भाव

(ग) विनम्रता का भाव

(घ) घमंड का भाव

7. 'क्षत्रियकुल द्रोही' कौन है**?**

(क) जनक

(ख) भारत

(ग) लक्ष्मण

(घ) परशुराम

8. परशुराम ने किसे और क्या दान दिया था?

(क) महादेव को भूमि दान में दिया था

(ख) ब्राह्मणों को भूमि दान में दिया था

(ग) राजा को भूमि दान में दिया था

(घ) ग़रीबों को भूमि दान में दिया था

9. कौन किसे मूर्ख कह रहे हैं**?**

(क) परशुराम राम को

(ख) विश्वामित्र लक्ष्मण को

(ग) सभासद परशुराम को

(घ) परशुराम लक्ष्मण को

10. परशुराम के किस स्वभाव पर व्यंग्य किया गया है?

(क) चाटुकारिता

(ख) बड़बोलापन

(ग) दिखावापन

(घ) आलसीपन

पठित काव्यांश - 2

कहेउ लखन मुनि सीलु तुम्हारा। को नहि जान बिदित संसारा।।
माता पितहि उरिन भय नीकें। गुररिनु रहा सोचु बड़ जी के।।
सो जनु हमरेहि माथें काढ़ा। दिन चलि गये ब्याज बड़ बाढा।।
अब आनिअ ब्यवहरिआ बोली। तुरत देउँ मैं थैली खोली।।
सुनि कटु बचन कुठार सुधारा। हाय हाय सब सभा पुकारा।।
भृगुबर परसु देखाबहु मोही। बिप्र बिचारि बचौं नृपद्रोही।।
मिले न कबहूँ सुभट रन गाढ़े। द्विजदेवता घरहि के बाढ़े।।
अनुचित कहि सबु लोगु पुकारे। रघुपति सयनहि लखनु नेवारे।।

लखन उतर आहुति सरिस भृगुबरकोपु कृसानु।
बढ़त देखि जल सम बचन बोले रघुकुलभानु।।

प्रश्न

1. लक्ष्मण ने ऋण चुकाने के लिए परशुराम से किसे बुलाने के लिए कहा?

(क) किसी मध्यस्थ को

(ख) अपने गुरु को

(ग) राज दरबारियों को

(घ) हिसाब-किताब के जानकार को

2. लक्ष्मण के शब्द परशुराम के लिए कैसे थे?

(क) क्रोध रूपी आग में जल के समान

(ख) क्रोध रूपी आग में घी की आहुति के समान

(ग) क्रोध रूपी आग में शीतल वायु के समान

(घ) जले पर नमक छिड़कने के समान

3. तुलसीदास ने रघुकुल का सूर्य किसे कहा है?

(क) विश्वामित्र को

(ख) परशुराम को

(ग) राम को

(घ) लक्ष्मण को

4. परशुराम का क्रोध कैसे शांत हुआ?

(क) विश्वामित्र के वचनों से

(ख) राम के वचनों से

(ग) लक्ष्मण के वचनों से

(घ) सभासदों के वचनों से

5. लक्ष्मण क्या सोचकर परशुराम से नहीं लड़ना चाहते?

(क) वे बड़े हैं

(ख) वे वीर हैं

(ग) वे गुरु हैं

(घ) वे ब्राह्मण हैं

6. काव्यांश में किसे माता-पिता के ऋण से मुक्त बताया गया है?

(क) राम को

(ख) परशुराम को

(ग) लक्ष्मण को

(घ) विश्वामित्र को

7. भृगुवंशी कौन है?

(क) विश्वामित्र

(ख) राम

(ग) लक्ष्मण

(घ) परशुराम

8. 'नृपद्रोही' की संज्ञा किसके लिए प्रयुक्त हुई है?

(क) राम

(ख) लक्ष्मण

(ग) विश्वामित्र

(घ) परशुराम

9. लक्ष्मण के अनुसार परशुराम किस ऋण को उनके माथे मढ़ने का प्रयास कर रहे हैं?

(क) गुरु ऋण

(ख) मातृ ऋण

(ग) पितृ ऋण

(घ) समाज ऋण

10. लक्ष्मण के अनुसार द्विज देवता कौन है**?**

(क) देवी-देवता

(ख) गुरु-शिष्य

(ग) राजा-रानी

(घ) माता-पिता

बहुविकल्पी प्रश्न-

1. 'राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद' में किस भाषा का प्रयोग हुआ है**?**

(क) ब्रज

(ख) अवधि

(ग) अवधी

(घ) खड़ीबोली

2. 'राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद' में किस रस की प्रमुखता है**?**

(क) हास्य

(ख) व्यंग्य

(ग) शांत

(घ) वीर

3. 'राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद' में किस घटाना के कारण विवाद हो रहा था**?**

(क) अपनी-अपनी वीरता प्रदर्शन के कारण

(ख) शिवधनुष टूटने के कारण

(ग) परशुराम की वीरता के कारण

(घ) लक्ष्मण की उद्दंडता के कारण

4. 'राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद' **–** रामचरितमानस के किस काण्ड से लिया गया है**?**

(क) सुन्दरकाण्ड

(ख) बालकाण्ड

(ग) लंकाकाण्ड

(घ) अयोध्याकाण्ड

5. परशुराम के वचन किसके समान हैं**?**

(क) वज्र के समान

(ख) लोहे के समान

(ग) पत्थर के समान

(घ) पहाड़ के समान

उत्तर माला

गद्यांश

गद्यांश **1.**

1. (घ)
2. (ख)
3. (घ)
4. (ख)
5. (घ)

गद्यांश **2.**

1. (घ)
2. (ख)
3. (घ)
4. (ख)
5. (ग)

गद्यांश **3.**

1. (घ)
2. (ग)
3. (क)
4. (घ)
5. (ग)

गद्यांश **4.**

1. (ग)
2. (घ)
3. (ग)
4. (घ)
5. (क)

गद्यांश **5.**

1. (क)
2. (ग)
3. (घ)
4. (ग)
5. (घ)

गद्यांश **6.**

1. (ख)
2. (क)
3. (क)
4. (ग)
5. (ग)

गद्यांश **7.**

1. (ग)
2. (क)
3. (घ)
4. (ग)
5. (घ)

गद्यांश **8.**

1. (क)
2. (ग)
3. (ख)
4. (क)
5. (ग)

गद्यांश **9.**

1. (ख)
2. (क)
3. (क)
4. (ग)
5. (ग)

गद्यांश **10.**

1. (ग)
2. (ग)
3. (ख)
4. (ख)
5. (ख)

काव्यांश

काव्यांश **1.**

1(ख)

2(क)

3(ग)

4(घ)

5(ख)

काव्यांश **2.**

1(घ)

2(ग)

3(घ)

4(घ)

5(ग)

काव्यांश **3.**

1(ख)

2(क)

3(ग)

4(घ)

5(क)

काव्यांश **4.**

1(घ)

2(घ)

3(ख)

4(ग)

5(घ)

काव्यांश **5.**

1(ग)

2(क)

3(घ)

4(ग)

5(क)

काव्यांश **6.**

1. (ग)
2. (क)
3. (क)
4. (ख)
5. (ख)

काव्यांश **7.**

1. (ख)
2. (ग)
3. (घ)
4. (क)
5. (घ)

काव्यांश **8.**

1. (ग)
2. (घ)
3. (घ)
4. (घ)
5. (ख)

काव्यांश **9.**

1. (ग)
2. (ग)
3. (ग)
4. (क)
5. (ख)

काव्यांश **10.**

1. (ख)
2. (घ)
3. (ख)
4. (ग)
5. (ग)

व्याकरण

<u>वाक्य भेद (रचना के आधार पर)</u>

1.सरल वाक्य

2.मिश्र वाक्य

3.संयुक्त वाक्य

4.संयुक्त वाक्य

5.मिश्र वाक्य

6.सरल वाक्य

7.मिश्र वाक्य

8.सरल वाक्य

9.कठोर बनकर भी सहृदय बनो

10.जैसे ही राम आया सभी प्रसन्न हो गए

11.ममता आकर चली गयी

12.मिश्र वाक्य

13.मेहमान आये और सभी प्रसन्न हो गए

14. घटना के बारे में सुनकर सभी हताश होकर झुँझलाने लगे

15.मूर्तिकार ने सुनकर जवाब दिया

16.वह विद्वान है,किंतु हठी है

17.मिश्र वाक्य

18.माँ ने कहा था

19.बोर्ड परीक्षा में प्रथम आया

20.जब आग लगती है

वाच्य

प्रश्न- 1- ग (क्रिया पद)	प्रश्न 2- ख- (मैं कविता पढ सकता हूँ)
प्रश्न 3- घ- (लडकी से सोया नहीं गया)	प्रश्न 4- ख- (सुमीत द्वारा कविता पढी गई)
प्रश्न 5- क - (लता नाचती और गीत गाती है)	प्रश्न 6- ख-(नारी द्वारा नर को सहायता प्राप्त होती रही है
प्रश्न 7- घ-(मोहन द्वारा भाषण दिया गया था)	प्रश्न 8- ग- (माधुरी गणेश जी की उपासना करती है)
प्रश्न 9- ख- (मुझसे इतना गर्म दूध नहीं पीया जाएगा)	प्रश्न 10- क-(पक्षियों द्वारा आकाश में उडा जाता है)
प्रश्न 11- ग- (बच्चे शोर मचा रहे हैं)	प्रश्न 12 - क- (शैलेन्द्र द्वारा पत्र लिखा जाएगा)
प्रश्न 13 - ख- (सुजाता से पैदल चला जा रहा था)	प्रश्न 14- क- (बच्चा घूम रहा है)
प्रश्न 15 - क- (बच्चे से दूध पीया नहीं जाता)	प्रश्न 16 - क- (मुझसे उठा न जा सका)
प्रश्न 17 - क- (फूल अपनी खुशबू बिखेरता है)	प्रश्न 18- ग - (उससे दूध नहीं पीया जा सका)
प्रश्न 19 - ग - (मुझसे नहीं सुना जा सका)	प्रश्न 20- ग- (बोलने का विषय)

रस

1. (ख) शृंगार
2. (घ) सूरदास
3. (ख) वीर
4. (ख) रौद्र
5. (ग) भयानक

6. (ख) उत्साह
7. (घ) जुगुप्सा
8. (ख) 33
9. (क) निर्वेद
10. (ख) रति
11. (ख) रौद्र रस
12. (ग) हँसना
13. (ग) शोक
14. (क) वीर रस
15. (ख) रौद्र रस
16. (ग) भक्ति रस
17. (क) वात्सल्य रस
18. (क) वीर रस
19. (ख) हास्य
20. (ग) भक्ति

पद – परिचय

1. (ग) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक

2. (घ) अव्यय, कालवाचक क्रिया विशेषण, 'दौड़ने जाती है' क्रिया की विशेषता

3. (ख) अकर्मक क्रिया, बहुवचन, पुल्लिंग, वर्तमान काल, कर्तृ वाच्य

4. (ख) गुणवाचक विशेषण, बहुवचन, पुल्लिंग, 'गुलाब विशेष्य का विशेष

5. (ग) मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम, स्त्रीलिंग/पुल्लिंग, एकवचन, कर्म कारक

6. (ख) व्यक्तिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता कारक

7. (क) क्रिया, अकर्मक, पूर्ण भूतकाल, पुल्लिंग एकवचन, कर्तृवाच्य

8. (ग) विशेषण, संख्यावाचक, क्रमसूचक, स्त्रीलिंग, एकवचन, कक्षा' विशेष्य

9. (क) अव्यय, संबंधबोधक, ‘गाड़ी से संबंध’

10. (घ) सर्वनाम, प्रश्नवाचक, एकवचन, कर्म कारक

11. (ख) अव्यय, रीतिवाचक क्रियाविशेषण, 'दौड़ना' क्रिया की विशेषता

12. (क) विशेषण, गुणवाचक, पुल्लिंग, एकवचन, विशेष्य-मजदूर

13. (घ) क्रिया, अकर्मक, एकवचन, पुल्लिंग, भूतकाल, कर्तृवाच्य

14. (ख) संज्ञा, व्यक्तिवाचक, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक, 'जा रहा है' क्रिया का कर्ता

15. (घ) अव्यय ,कलवाचक क्रिया विशेषण ,दौड़ने जाती है -क्रिया की विशेषता

16. (घ) संज्ञा, भाववाचक, एक वचन, पुल्लिंग

17. (क) अव्यय, क्रिया विशेषण, कालवाचक

18. (ख) विशेषण, अनिश्चित परिमाण वाचक, पुल्लिंग, विशेष्य-दूध

19. (घ) भाववाचक संज्ञा, एक वचन, स्त्रीलिंग, करण कारक

20. (ग) वाक्य में प्रयुक्त शब्द को

21. (ख) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक

22. (क) कालवाचक क्रियाविशेषण

23. (ग) अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम, एकवचन, पुल्लिंग/स्त्रीलिंग, कर्ता कारक

24. (ख) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, कर्म कारक

25. (क) व्यक्तिवाचक संज्ञा स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता कारक

नेताजी का चश्मा

निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर -

1. (घ) 2. (ग) 3. (घ) 4. (क) 5. (ख) 6. (ग) 7. (क) 8. (ग) 9. (क) 10. (घ)

11. (ख) 12. (ग) 13. (घ) 14. (क) 15. (ग) 16. (ख) 17. (घ) 18. (ग) 19. (क) 20. (ख)

II नीचे दिए गए पठित पद्यांश को पढ़ते हुए बहुविकल्पीय प्रश्नों का उत्तर दीजिए -

1. (क) 2. (ख) 3. (क) 4. (ग) 5. (ख)

पाठ -बालगोबिन भगत

बहुविकल्पीय प्रश्न के उत्तर -

1. (घ) रेखाचित्र

2. (ग) रामवृक्ष बेनी पूरी

3. (ग) साठ से अधिक

4. (ग) कबीर पंथियों जैसी

5. (क) साहब

6. (घ) ईश्वर भक्ति का भाव

7. (ख) मनुष्य को

8. (ग) प्रात: काल की लालिमा को

9. (क) ऐसे विलक्षण चरित्र का उद्घाटन किया है जो मनुष्यता ,लोक संस्कृति और सामूहिक चेतना का प्रतीक है |

10.(क) बालगोबिन भगत की पत्नी

11. (घ) ग्रामीण जीवन

12. (क) बेटे की मृत्यु पर बालगोबिन भगत अपनी पुत्रवधू को रोने की बजाय उत्सव मनाने को कहता है |

13. (ख) (ख) और (घ)

14. (ग) सकारात्मक मानसिकता

15. (ख) यदि व्यक्ति का आचरण सत्य ,अहिंसा ,अपरिग्रह ,त्याग ,लोक कल्याण आदि से युक्त है तो वह साधु है |

16. (घ) खेती -बाड़ी करके |

17. (ग) उनकी पतोहू ने

18. (ख) वे ही घर को छोड़कर चले जाएंगे |

19. (क) वे रूढ़ियों को तोड़ना चाहते थे |

20. (ग) कार्तिक मास

21. (क) जिस दिन उसके पुत्र की मृत्यु हो गई थी |

22. (ख) उनका बेटा सुस्त और कम बुद्धि वाला था

23. (घ) वह सभी कार्यों में निपुण थी

24. (ग) दूसरा विवाह करने का आदेश दिया

25. (क) उनके साथ रहकर उनकी सेवा करने की

पाठ: सूरदास के पद

बहुविकल्पीय प्रश्न के उत्तर -

प्रश्न संख्या	उत्तर	प्रश्न संख्या	उत्तर
1	ग	14	ख
2	ख	15	ग
3	क	16	ख
4	क	17	ग
5	घ	18	क
6	ख	19	ग
7	ग	20	घ
8	ख	21	ख
9	घ	22	क
10	घ	23	ख
11	ख	24	घ

12 क 25 क

13 ग

राम-लक्ष्मण-परशुराम-संवाद

तुलसीदास

पठित काव्यांश 1 -

1. घ
2. ग
3. ग
4. क
5. घ
6. ख
7. घ
8. ख
9. घ
10. ख

पठित काव्यांश 2 -

1. घ
2. ख
3. ग
4. ख
5. घ
6. ख
7. घ
8. घ
9. क
10. घ

बहुविकल्पी प्रश्न के उत्तर-

1. ग
2. ख
3. घ
4. ख
5. क

********* समाप्त *********